संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 68
पृष्ठ 8
मंगलवार
25 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बच्चों के लिए बनाएं हेल्दी और....
विचार- श्री गुरु तेग बहादुर जी, सत्य, सेवा ...
खेल- 16 महीनों की चुप्पी के बाद, ऋतुराज ...

सीएम योगी का फरमान : पीड़ितों की शिकायतें सुन जिले में ही निस्तारण कराएं डीएम-एसपी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उनके आवास पर जनता दर्शन के दौरान लोगों द्वारा बताई गई समस्याओं का जल्द समाधान करायें। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक बयान के अनुसार 'जनता दर्शन' का आयोजन सोमवार को मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के सरकारी आवास पर हुआ।'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से 52 से अधिक फरियादी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री हर फरियादी के पास स्वयं पहुंचे, उनकी समस्याएं सुनीं और निराकरण के निर्देश दिए। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि वह पीड़ितों की शिकायतें सुनकर जनपद में ही उनका निस्तारण कराएं। उन्होंने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जनपदों में सभी विभागों के द्वारा पीड़ितों की शिकायतें सुनकर निर्धारित समयावधि में समाधान कराया जाए। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने अभिभावकों के साथ आए बच्चों को दुलारा, उन्हें चॉकलेट दी। मुख्यमंत्री के 'जनता दर्शन' के दौरान आर्थिक सहायता, अवैध कब्जे, बिजली, शिक्षा, पुलिस आदि से जुड़ी शिकायतों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों सहित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि वह जनपद स्तर पर सभी फरियादियों की शिकायतें सुनकर उनका निराकरण कराएं। 'जनता दर्शन' में गोरखपुर, शामली, झांसी, कन्नौज आदि जनपदों से पीड़ित पहुंचे थे। सभी ने अपनी समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया, जिस पर उन्होंने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन की सेवा और सुरक्षा ही सरकार का संकल्प है, सरकार हर जरूरतमंद की सहायता के लिए खड़ी है। उन्होंने कहा कि सरकार के स्तर पर प्रदेशवासियों की हर उचित परेशानी का निरंतर निदान कराया जा रहा है और आगे भी कराया जाता रहेगा।

उत्तराखंड के टिहरी में बस के खाई में गिरने से 5 लोगों की मौत

टिहरी, एजेंसी। उत्तराखंड के टिहरी जिले के नरेंद्रनगर क्षेत्र में कुंजापुरी-हिंडोलाखाल के पास सोमवार को लगभग 28 यात्रियों को ले जा रही एक बस के 70 मीटर गहरी खाई में गिर जाने से पाँच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान जारी है। राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) के अधिकारियों के अनुसार, जिला नियंत्रण कक्ष ने सोमवार दोपहर एसडीआरएफ वाहिनी नियंत्रण कक्ष को दुर्घटना की सूचना दी, जिसमें बताया गया कि वाहन नरेंद्रनगर थाना क्षेत्र में सड़क से फिसल गया था। शुरुआत में बस में 30 से 35 लोगों के सवार होने का अनुमान लगाया गया था। अलर्ट पर कार्रवाई करते हुए, एसडीआरएफ ने पोस्ट ढालवाला, पोस्ट कोटी कॉलोनी और एसडीआरएफ कोर मुख्यालय से पाँच टीमों को घटनास्थल पर तैनात किया। एसडीआरएफ अधिकारियों ने घटनास्थल पर पाँच लोगों की मौत की पुष्टि की है।

बॉलीवुड के ही मैन धर्मेन्द्र का निधन

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड के 'ही-मैन' धर्मेंद्र का आज निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। धर्मेन्द्र ने 89 साल की उम्र में अपने जुहू स्थित घर पर ही अंतिम सांस ली है। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्होंने 12 नवंबर को ही ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल से परिवार के कहने पर डिस्चार्ज किया गया था। इसके बाद से घर पर ही उनका इलाज चल रहा था। करण जौहर ने धर्मेंद्र के निधन की पुष्टि करते हुए आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से उन्हें श्रद्धांजलि दी है। करण जौहर ने लिखा,यह एक युग का अंत है, एक विशाल मेगास्टार, मुख्यधारा के सिनेमा में एक सच्चे हीरो की पहचान, अविश्वसनीय रूप से हैंडसम और रहस्यमयी स्क्रीन प्रेजेंस वाले। वह हैं और हमेशा रहेंगे भारतीय सिनेमा के एक सच्चे दिग्गज। सिनेमा के इतिहास के पन्नों में उनका नाम सदैव चमकता रहेगा। पर सबसे बढ़कर, वह एक बेहतरीन इंसान थे। हमारी इंडस्ट्री में हर कोई उनसे बेहिसाब प्यार करता था। उनके दिल में हर किसी के लिए सिर्फ प्यार और सकारात्मकता थी। उनका आशीर्वाद, अद्भुत स्नेह, इन सबकी कमी को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। आज हमारी इंडस्ट्री में एक ऐसा खालीपन है। जिसे कोई भी कभी भर नहीं सकेगा। वह हमेशा के लिए एक और एकमात्र धरमजी रहेंगे। धर्मेन्द्र का जन्म पंजाब के फगवाड़ा में 08 दिसंबर 1935 को हुआ था। उन्होंने वर्ष 1960 में प्रदर्शित फिल्म दिल भी तेरा हम भी तेरे से अपने सिने करियर की शुरूआत की थी। धर्मेन्द्र ने अपने छह दशक लंबे सिने करियर में 250 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया था।

धर्मेन्द्र को अंतिम विदाई देने पूरा बॉलीवुड पहुंचा

धर्मेन्द्र को अंतिम विदाई देने उनके दोस्त महानायक अमिताभ बच्चन तथा फिल्म जगत की कई हस्तियां पहुंची। इनमें शबाना आज़मी , गोविंदा, आमिर खान, अभिषेक बच्चन, सलमान खान, अक्षय कुमार, संजय दत्त,रणवीर सिंह ,दीपिका पादुकोण तथा जायद खान शामिल थे। मशहूर स्क्रिप्ट राइटर सलीम खान भी उनके अंतिम संस्कार में पहुंचे।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने ली उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की शपथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने आज उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें राष्ट्रपति भवन में उन्हें मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ दिलाई। उनका कार्यकाल नौ फ़रवरी 2027 तक होगा। उन्होंने न्यायमूर्ति बी. आर. गवई का स्थान लिया है, जो 23 नवंबर को सेवानिवृत हुए हैं। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी तथा कई अन्य प्रमुख केन्द्रीय मंत्री और गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

रेखा गुप्ता ने गुरु तेग बहादुर के मानवीय संदेशों को जीवन में अपनाने की अपील की

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को सिखों के गुरु श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के मानवीय संदेशों धर्मनिरपेक्षता, करुणा, सहिष्णुता और सत्य को अपने जीवन में आत्मसात करने की लोगों से अपील की। दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला प्रांगण में आज श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित तीन-दिवसीय भव्य समागम में सुबह से ही प्रांगण भक्तों की भीगी पलकें, हाथ जोड़े श्रद्धालु और गुरु साहिब के प्रति अटूट श्रद्धा से भरा दिख रहा है। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन के साथ मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में मत्था टेका।

धर्मेंद्र के निधन पर पीएम मोदी का मार्मिक ट्वीट:

भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत

● अनगिनत दिलों पर राज करने वाले 'ही-मैन' को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिनेता धर्मेंद्र का सोमवार, 24 नवंबर को मुंबई स्थित उनके घर पर 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। इस महीने की शुरुआत में सांस लेने में तकलीफ के कारण उन्हें ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बॉलीवुड के ही-मैन कहे जाने वाले धर्मेंद्र अपने पीछे छह दशकों से भी ज़्यादा की एक उल्लेखनीय सिनेमाई विरासत छोड़ गए हैं। उनकी आखिरी फिल्म 'इक्कीस' 25 दिसंबर को रिलीज़ होगी। धर्मेंद्र के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा कि धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत है। वे एक प्रतिष्ठित फ़िल्मी हस्ती, एक अद्भुत अभिनेता थे जिन्होंने अपनी हर भूमिका में आकर्षण और गहराई भर दी। जिस तरह से उन्होंने विविध भूमिकाएँ निभाईं, उसने अनगिनत लोगों के दिलों को छुआ। उन्होंने आगे लिखा कि धर्मेंद्र जी अपनी सादगी, विनम्रता और गर्मजोशी के लिए भी समान रूप से प्रशंसित थे। इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएँ उनके परिवार, मित्रों और असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं। ६ शांति। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि धर्मेंद्र न सिर्फ़ एक अच्छे अभिनेता थे, बल्कि एक अच्छे और सरल इंसान भी थे। मेरा उनसे व्यक्तिगत जुड़ाव था। वह देश और किसानों के लिए प्रतिबद्ध थे। फिल्मों में उनके काम को भुलाया नहीं जा सकता। उनके निधन से फिल्म उद्योग को बहुत बड़ी क्षति हुई है। वह मुझसे मिलने आते थे। उनके बेटों और हेमा मालिनी जी से मेरे अच्छे संबंध थे। धर्मेंद्र के परिवार में उनकी पत्नियाँ प्रकाश कौर और हेमा मालिनी, और छह बच्चे – अभिनेता सनी देओल, बॉबी देओल, ईशा देओल और अहाना देओल, साथ ही अजीता और विजेता हैं। भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक माने जाने वाले धर्मेंद्र ने अपने करियर की शुरुआत 1960 की फ़िल्म शदिल भी तेरा हम भी तेरेश से की थी। तीव्र और हास्य भूमिकाओं में समान रूप से अपनी प्रतिभा साबित करने वाले अभिनेता को 2012 में भारत सरकार की ओर से देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान, पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। अपने छह दशकों के करियर में, उन्होंने शोले, यादों की बारात, मेरा गांव मेरा देश, प्रतिज्ञा, चुपके-चुपके, नौकर बीवी का, फूल और सहित कई हिट फिल्मों में काम किया।

तमिल नाडू के तेनकासी में दो बसों की टक्कर में छह व्यक्तियों की मौत, 50 घायल

तेनकासी, एजेंसी। तेनकासी जिले में इदैकल के पास सोमवार को दो निजी बसों की टक्कर में छह व्यक्तियों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने घटना पर दुख जताया और जिला प्रशासन को सभी घायलों का सही से उपचार कराने का निर्देश दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह हादसा तब हुआ जब आमने-सामने से आ रहीं दो निजी बसों की टक्कर हो गई। उन्होंने बताया कि एक बस मदुरै से सेनकोट्टई, जबकि दूसरी तेनकासी से कोविलपट्टी/शंकरनकोविल जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, कम से कम 50 लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई लोगों की हालत गंभीर है। पुलिस, दमकल और बचाव कर्मियों और स्थानीय लोगों ने बचाव अभियान चलाया, जिसमें घायलों को अस्पताल ले जाने के लिए कई एम्बुलेंस का इस्तेमाल किया गया। शुरुआती जांच से पता चला है कि हादसा एक बस चालक के तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने की वजह से हुआ।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईसी को फिर लिखा पत्र, इन दो मामलों में तत्काल दखल देने की मांग की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को एक बार फिर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने दो हालिया मामलों में तत्काल दखल देने की मांग की है। पत्र में उन्होंने राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के उस निर्देश का जिक्र किया है, जिसमें जिलाधिकारियों को अनुबंध पर काम करने वाले डाटा-एंट्री ऑपरेटर्स और बांग्ला सहायता केंद्र के कर्मचारियों को एसआईआर या किसी अन्य चुनावी कार्य में न लगाने को कहा गया है। दूसरा मुद्दा निजी आवासीय परिसरों के अंदर मतदान केंद्र बनाने के चुनाव आयोग के प्रस्ताव से जुड़ा है। उन्होंने इस पत्र को एक्स पर भी साझा किया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि क्या ये कदम किसी राजनीतिक दल की मदद के लिए उठाए जा रहे हैं। पत्र में लिखा है, हाल ही में यह सामने आया है कि पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी ने जिला चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे एसआईआर या अन्य चुनावी आंकड़े से जुड़े कार्यों के लिए अनुबंध पर काम करने वाले डाटा एंट्री ऑपरेटर्स और बांग्ला सहायता केंद्र (बीएसके) के कर्मचारियों को न लगाएं। पत्र में कहा गया, राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय ने एक वर्ष की अवधि के लिए एक हजार डाटा एंट्री ऑपरेटर्स और 50 सॉफ्टवेयर डेवलपर नियुक्त करने के लिए एक प्रस्ताव जारी किया था। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो ममता बनर्जी ने पूछा कि जब जिला कार्यालयों में पहले से ही बड़ी संख्या में श्सक्षम पेशेवरश ये काम कर रहे हैं, तो पूरे एक साल के लिए यही काम किसी बाहरी एजेंसी से आउटसोर्स करने की जरूरत क्यों पड़ रही है। उन्होंने कहा, पारंपरिक रूप से क्षेत्रीय कार्यालय अपनी जरूरत के अनुसार खुद ही अनुबंध पर डाटा एंट्री कर्मचारियों को नियुक्त करते रहे हैं।

भारत की शालीनता उसकी कमजोरी नहीं : राजनाथ सिंह

कुरुक्षेत्र,एजेंसी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह आज (सोमवार) को हरियाणा के कुरुक्षेत्र पहुंचे।

यहां उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव की विधिवत शुरुआत की। उन्होंने सबसे पहले ब्रह्मसरोवर पर पूजन किया। इसके बाद वो हरियाणा पवेलियन का अवलोकन कर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय गीता सेमिनार पहुंचे। यहां उन्होंने पहलगाम आंतकवादी हमले का जिक्र किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि पहलगाम की घटना आज भी विचलित करती है, जब पहलगाम में पर्यटन के लिए गए हमारे निर्दोष यात्रियों को धर्म पूछ कर मारा गया। उन्होंने कहा कि आतंकियों ने केवल भारत की शांतिप्रियता को ही चुनौती नहीं दी थी, बल्कि वो ये मान बैठे थे कि भारत की शालीनता उसकी कमजोरी है। लेकिन हमने ऑपरेशन सिंदूर से इसका माकूल जवाब दिया। राजनाथ बोले- ये गीता का देशः राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकी भूल गए भारत गीता का देश है, जहां करूणा भी है और युद्ध में धर्म की रक्षा की प्रेरणा भी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि शांति के ताप को जीवित रखना है तो उसके भीतर शक्ति का ताप अनिवार्य है। निर्दोषों की रक्षा करनी है तो बलिदान देने का साहस भी उतना ही आवश्यक है। ऑपरेशन सिंदूर से माकूल जबावः रक्षा मंत्री ने कहा कि दुश्मन हमारी शालीनता को कमजोरी समझ बैठे थे।

कहानी संग्रह 'रंग को तरसती तूलिका का विमोचन संपन्न'

प्रयागराज । वैचारिकी, साहित्यांजलि प्रज्योदि एवं लोकरंजन प्रकाशन के संयुक्त तत्त्वावधान में रवि कुमार मिश्र के कहानी संग्रह 'रंग को तरसती तूलिका श का लोकापर्ण समारीह 'सारस्वत सभागारश लूकरगंज मे संपन्न। कार्यक्रम की अध्यक्षता मारूफ शाइर अनवार अब्बास एवं मुख्य अतिथि रवि नन्दन, विशिष्ट अतिथि विजय लक्ष्मी विभा, शम्भू नाथ त्रिपाठी अंशुल, लोकेश मिश्र रहे। संचालन संगीता श्रीवास्तव सुमन ने किया। स्वागत एवं आभार प्रो०अरविन्द कुमार मिश्र ने किया। संयोजक डॉ० प्रदीप चित्रांशी एवं डॉ० आदित्य नारायण सिंह रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अनवार अब्बास नकवी ने कहा कि हम उस पीढ़ी के आखिरी लोग हैं जिन्हें कागज की महक और किताबी तकिए की लत है । साहित्य जो है वह सौंदर्य है जीवन का, मन का, चेतना का,सृजन का ।भाव और भावनाओं के सूनापन पर आधारित कृति रंग को तरसती तूलिका का मुख्य विषय है प्रेम,प्रेम वह दृष्टि और भाव है जो इस दृष्टि से जिस चीज को देख लेता है वह सुंदर हो जाती है। अगर आप सृष्टि से प्रेम नहीं कर सकते तो आपका परमात्मा से प्रेम नहीं हो सकता। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि हर साहित्यकार समाजशास्त्री होता ही है। पाठक और पुस्तक पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि घर में किताबें तभी पहुंचेंगी जब बाजार में किताबें आएंगी। साथ ही उन्होंने पढ़ने की संस्कृति पर कहा कि आज किताबों का बाजार ही गायब होता जा रहा है अतरू यह देखना होगा कि लेखक पाठकों को बांधने में कितना सफल हो पाता है। मुख्य अतिथि डॉक्टर रविनंदन सिंह ने कहा कि यह रचना मनोविश्लेषणात्मक है, मन का अंतरद है, इसमें फ्रायड है, हर कहानी में बारीक परते हैं, उसमें अंदर जाने की जरूरत है, परतों को खोलने की जरूरत है, क्योंकि रचनाकार अपने व्यक्तित्व को विलीन करके लिखता है स्थायी भाव पर लिखा साहित्य, मानवीय भाव पर लिखा साहित्य कालजयी होता है और ष्रंग को तरसती तूलिकाष के लेखक ने स्थाई भाव को पकड़ा है वह भाव है प्रेम ।साथ ही उन्होंने लोक कथा से लेकर आधुनिक कहानी तक के सफर पर श्रवण परंपरा से लेखन और आधुनिक कहानी पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि अनुभूतियों के कहानीकार है प्रोफेसर रवि मिश्रा। विजयलक्ष्मी विभा ने कहा कि समाजशास्त्र साहित्य का सृजन करता है। डॉ शंभू नाथ त्रिपाठी अंशुल ने प्रेम, प्रेम के अंतर्द्वद की चर्चा करते हुए कहा कि प्रेम में पाने का नहीं खोने का भाव होता है। प्रस्तुत कहानी का भाव समाज को अनुप्राणित करेगा। श्री लोकेश शुक्ला जी ने गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना करते हुए प्रस्तुत कहानी की चर्चा में भावनात्मकता के साथ दूसरों को समझना और एक संवेदना अभिव्यक्त करने हेतु हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर शहर के नाम चीन शायर, साहित्यकार रचना धर्मी एवं साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

प्रयागराज में कंगना रनोट के कार्यक्रम में भीड़ बेकाबू

मंच पर चढ़कर धक्का-मुक्की की, सुरेश रैना के साथ निकल गईं एक्ट्रेस

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट को देखकर भीड़ बेकाबू हो गई। लोग कंगना के साथ सेल्फी और ऑटोग्राफ लेने के लिए मंच पर चढ़ने लगे। अचानक

भारी भीड़ उमड़ पड़ी और अफरातफरी मच गई। आयोजकों ने बेकाबू भीड़ को संभालने की कोशिश की, लेकिन हालात काबू में नहीं आए। लगातार बढ़ती भीड़ से कंगना असहज हो गईं और क्रिकेटर सुरेश रैना के साथ कार्यक्रम बीच में ही छोड़कर निकल गईं। दोनों सेलिब्रिटी प्रयाग उत्थान समिति के डिजिटल सदस्यता अभियान की शुरुआत करने पहुंचे थे। सुरेश रैना और कंगना ने काला चश्मा लगाकर एंट्री की तो लोगों ने तालियां बजाकर और हूटिंग कर उनका स्वागत किया। प्रयाग उत्थान समिति अब तक 236 बच्चों को गोद लेकर उनकी शिक्षा-संरक्षण की जिम्मेदारी उठा चुकी है। आगे अपने दायरे को और बढ़ाने की तैयारी में है। इसी क्रम में आज से सदस्यता अभियान की शुरुआत हुई।

प्रयागराज में डॉक्टर को पीटने वालों पर एफआईआर

डॉक्टर बोले- नाजरेथ हास्पिटल की ओपीडी में घुसकर मारा, ओपीडी ठप

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के नाजरेथ हॉस्पिटल में घुसकर डॉ. आरपी शुक्ला को पीटने वालों पर आज पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। दरअसल, घटना शनिवार की है। डॉक्टर ने पुलिस ने दी तहरीर में बताया है कि शनिवार को वह दोपहर में अपनी ओपीडी में बैठकर

मरीजों का इलाज कर रहे थे। उसी समय कुछ लोगों ने ओपीडी में घुसकर उन्हें बुरी तरह से मारा पीटा है। गला दबाकर जान से मारने का भी प्रयास किया गया है। इसके बाद इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन इस घटना को लेकर आगे आ गया। संबंधित लोगों पर एफआईआर की मांग की जाने लगी थी। इसके बाद डॉ. आरपी शुक्ला की तहरीर पर पुलिस एक नामजद समेत 6-7 लोगों पर यह एफआईआर दर्ज की है। वहीं, इस घटना के विरोध में आज सोमवार को नाजरेथ हास्पिटल में ओपीडी नहीं चली। जो भी डॉक्टर्स व स्टाफ अस्पताल में काम कर रहे थे वह बांह पर काला फीता बांधकर इस घटना का विरोध कर रहे थे।

सर्जन के फ्लैट में प्रेमिका के कत्ल के 3 साल

प्यार और धोखे में उलझी कहानी.. पुलिस की जांच पूरी पर अब भी अनसुलझे सवाल

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में 24 नवंबर 2022 को रामबाग के देवडा सदन में मशहूर कैंसर सर्जन डॉक्टर दीपकेंदु मित्रा हुई एक हत्या ने पूरे शहर को हिला दिया था। फ्लैट अंदर से बंद था, दरवाजे को गैस कटर से काटकर पुलिस भीतर पहुंची थी और भीतर 35 वर्षीय संगीता का क्षत विक्षत शव पड़ा था। आज इस रहस्यमयी वारदात को पूरे 3 साल पूरे हो चुके हैं, पर सवाल अब भी वहीं खड़े हैं। तीन साल बाद भी इस केस में सच का दरवाजा खुल नहीं सका दरअसल इस मामले की सबसे बड़ी पहेली है, फ्लैट का दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने गैस कटर से दरवाजा काटकर घर में प्रवेश किया।

लेकिन जांच तीन साल बाद भी यह नहीं बता पाई कि...

1- हत्यारा अंदर आया कैसे?

2- और बाहर गया कैसे?

एक खिडकी खुली थी, पर उसमें से निकलना लगभग असंभव बताया गया, खासकर उस 70 साल के उस व्यक्ति के लिए जिसे पुलिस ने परिस्थितियों के आधार पर आरोपी माना। संगीता लगभग 8द्10 वर्ष तक इसी फ्लैट में रहती थी। फ्लैट के मालिक कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टर, जो तब लगभग 68द्70 वर्ष के थे, उसके रहने खाने का खर्च उठाते थे। दोनों का संयुक्त बैंक खाता

था। कई गवाहों ने संगीता को डॉक्टर की पत्नी जैसा जीवन जीते हुए बताया। घटना से लगभग दो महीने पहले डॉक्टर ने खर्च देना बंद कर दिया था। एक महिला साक्षी ने डॉक्टर से नजदीकी बढ़ने, रात में लंबी फोन बातों और फ्लैट देने के आश्वासन जैसी बातें कही थीं। इन्हीं परिस्थितियों को 'मोटिव' माना गया। लेकिन दूसरी तरफ भी उतने ही बड़े सवाल...। डॉक्टर की उम्र 70 साल के करीब। मौत वाले दिन उनकी मौजूदगी का कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं। सीसीटीवी फुटेज घटना वाली रात किसी ने बंद कर दिए थे, पर यह साबित नहीं हो पाया कि किसने। क्या 70 वर्ष का एक व्यक्ति, जिसे उस फ्लैट में गए ढाई महीने हो चुके थे, खिडकी के रास्ते भाग सकता था? सोनू सिंह३ वो नाम जो आया और फिर गायब हो गया शुरुआत में पुलिस की नजरें सोनू सिंह पर गई थीं। डॉक्टर ने कहा था, सोनू ने ही संगीता को फ्लैट में काम पर रखवाया था। डॉक्टर के खिलाफ चार्जशीट लगाते वक्त पुलिस ने सोनू सिंह को भी संदिग्ध माना और उसके संबंध में इन्वेस्टिगेशन आगे जारी रखने का निर्णय लिया। लेकिन तीन साल की विवेचना में सोनू के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला और उसका नाम मुकदमे से हटा दिया गया। इससे फ्लैट में कत्ल का राज और गहरा गया। डॉक्टर 3 साल से जेल में.. पर हत्या कैसे हुई, यह अभी भी पहेली क्या किसी जानकार ने भीतर घुसकर हत्या की और सुरक्षित रास्ता बनाकर निकल गया?

प्रयागराज में बीएलओ सुपरवाइजर वोटर से बोले-कुछ नहीं कर पाओगे

ऐसा केस बनाएंगे कि दिमाग खराब हो जाएगा, गीदड़ भभकी कहीं और दो

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में एसआईआर के दौरान हंगामा, कहासुनी या विवाद आए दिन सामने आ रहे हैं। अब करेली क्षेत्र के एक बीएलओ के सुपरवाइजर पर धमकी देने का आरोप लगा है। धमकी देते हुए सोमवार को एक वीडियो भी सामने आया है।

वोटर के सवाल पर वह भड़क जाते हैं। भोजपुरी में कहते हैं कि ई सब धमकी न देव, गीदड़ भभकी कहीं और देव... चलो जाओ... तुमरे खिलाफ ऐसा केस बना देंगे कि दिमाग सही होई जाई। उखाड़ न पाओगे एक रोंवा। चलो जाओ। तुम्हारी आरती उतारें न हम। बात न करो, कौन हो चलो जाओ।

मामला करेली क्षेत्र के यूनिटी पब्लिक स्कूल पर बने बूथ का है। यहां 10 बीएलओ की ड्यूटी लगाई गई है। यहां एक सुपरवाइजर भी तैनात है। सुपरवाइजर का नाम मेरर्विन लाटियर है। यहां करीब 18 से 19 हजार वोटरों को लेकर एसआईआर होना है।

दरअसल, उस स्कूल में ही बूथ संख्या 121 पर जिस बीएलओ की ड्यूटी लगी है, वह कई दिनों से बूथ पर नहीं पहुंचा था। बीएलओ के नहीं पहुंचने से परेशान लोगों ने हंगामा कर दिया। सुपरवाइजर से सवाल किए थे तो वह भड़क गए।

मो. मुस्तकीम ने बताया- लोग भटक रहे हैं। कोई बताने वाला नहीं है। बीएलओ तो फॉर्म कतई नहीं भर रहे। पाठक जी नाम के एक बीएलओ हैं, वो आ ही नहीं रहे हैं। लोग परेशान होकर वापस जा रहे।

मुन्ना का कहना है कि फॉर्म नहीं दिया जा रहा है। यूनिटी में मैं पांच दिन से दौड़ रहा हूं। उदयजी आ ही नहीं रहे हैं। फोन काट दे रहे हैं।

प्रयागराज में एसआईआर को लेकर लोग काफी परेशान हैं। बीएलओ पर एफआईआर भी हो चुकी है। इलाहाबाद उत्तर विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर के दौरान निर्वाचन काम में लापरवाही बरतने के आरोप में बीएलओ के खिलाफ कर्नलगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। तहसीलदार सदर की तहरीर पर मुकदमा लिखा गया।

आरोप है कि बीएलओ जानबूझकर शिथिलता और लापरवाही बरत रहे हैं। साथ ही उच्च अधिकारियों और निर्वाचन आयोग के निर्देशों की लगातार अवहेलना कर रहे हैं, जिससे संशोधन का काम प्रभावित हो रहा है।

शादी में 6 सेकेंड में 45 लाख की चोरी

डॉक्टर कपल की शादी में बारातियों की भीड़ में शामिल हुआ ब्लेजर वाला चोर

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में डॉक्टर कपल की शादी से 45 लाख की ज्वैलरी-कैश महज 6 सेकेंड में चोरी कर लिए गए। ब्लेजर पहनकर आया चोर बारातियों की भीड़ में शामिल होकर शादी में शामिल हुआ। करीब 2.5 घंटे तक वह भीतर घूमता रहा और रात 10.10 मिनट पर ज्वैलरी-कैश भरा बैग लेकर गायब हो गया। फिलहाल पुलिस 36 घंटे बाद भी उसका सुराग नहीं हासिल कर पाई है।

ज्वैलरी-कैश से भरा बैग चोरी होने का वीडियो फुटेज भी सामने आ गया है। इसमें दिख रहा है कि ब्लेजर कंधे पर टांगकर एक युवक पहले ज्वैलरी-कैश भरा बैग लेकर खड़े दुल्हन के चाचा अधिवक्ता शीतल सिंह के आसपास टहलता है। इसी दौरान एक मेहमान के आने पर अधिवक्ता बैग बगल में कुर्सी पर रखकर बातचीत करने लगते हैं।

तभी वह युवक ठीक पीछे रखी कुर्सी पर बैठ जाता है। अगले ही पल वह बैग पर ब्लेजर रख देता है और सेकेंडों में बैग समेत ब्लेजर लेकर भाग निकलता है। यह घटना महज 6 सेकेंड में अंजाम दी गई।

यह घटना मेडिकल चौराहे के पास पंखुड़ी गार्डन मैरिज हाउस में हुई। यहां शनिवार रात एनसीआर में तैनात रेलवे इंजीनियर संजीव सिंह की बेटी डॉक्टर शैली सिंह की शादी थी। दुल्हा उत्कर्ष सिंह भी डॉक्टर हैं जो एमएलएन मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस कर रहे हैं। जबकि दूल्हन जॉर्जिया से एमबीबीएस कर लौटी हैं और पीजी की पढ़ाई कर रही हैं।

चोरी गए बैग में 30 लाख की ज्वेलरी और 15 लाख रुपये नकद थे। चोर की उम्र 20 से 22 वर्ष की थी। उधर इस मामले में पुलिस अब तक ब्लेजर वाले चोर का पता नहीं लगा पाई है। वह जिस ई रिक्शा से भागा, उसकी आखिरी लोकेशन जानसेनगंज तक ट्रेस की गई। इसके बाद वह किधर गया, इसका पुलिस कोई क्लू हासिल नहीं कर पाई।

वारदात जिस तरह से अंजाम दी गई, उससे इसमें ई रिक्शा चालक व उसके साथी के शामिल होने का भी शक जताया जा रहा है। दरअसल बैग चोरी करने के बाद युवक गेस्ट हाउस से तेज कदमों से बाहर निकला और फिर सीएमपी तक पहुंचकर दूसरी लेन पर ई रिक्शा पकड़कर जानसेनगंज की ओर गया। ई रिक्शे में चालक के अलावा एक अन्य युवक भी बैठा था।

थानाध्यक्ष जार्जटाउन संतोष कुमार सिंह का कहना है कि फुटेज की पड़ताल की जा रही है। आरोपी फिलहाल चिह्नित नहीं हो पाया है। प्रयास किए जा रहे हैं।

बारा में टवेरा और ट्रैक्टर में टक्कर

दो की हालत गंभीर, ड्राइवर फरार, रॉन्ग साइड के कारण हादसा

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के घूरपुर थाना क्षेत्र के भीटा-कंजसा मार्ग पर सोमवार दोपहर करीब एक बजे एक सड़क हादसा हुआ। लालापुर की दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने सामने से आ रही टवेरा वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टवेरा सड़क पर लगभग 20 मीटर तक घिसटती हुई पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। टवेरा में बिरवल के रहने वाले लोग सवार थे, जो प्रयागराज शहर से एक पारिवारिक निमंत्रण कार्यक्रम में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे। यह हादसा कंजसा के पास हुआ, जिससे सड़क पर अफरा-तफरी मच गई और पीछे से आ रहे वाहन भी रुक गए। लोगों ने तुरंत दौड़कर घायलों को बाहर निकाला। हादसे में टवेरा में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक युवक के पैर में गहरी चोट आई, जबकि दूसरे को सिर और हाथ में गंभीर चोटें लगीं। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत घायलों को जसरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टरों ने बताया कि दोनों की हालत पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बड़े अस्पताल रेफर किया जा सकता है। गाड़ी में सवार अन्य लोगों को भी मामूली चोटें आईं। टक्कर के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस मार्ग पर ट्रैक्टर चालक अक्सर तेज रफ्तार में वाहन चलाते हैं और किसी प्रकार का नियंत्रण नहीं रखते। घटना की सूचना मिलते ही घूरपुर थाना प्रभारी दिनेश सिंह ने हल्का उपनिरीक्षक को मौके पर भेजकर स्थिति का जायजा लेने के निर्देश दिए। पुलिस ने क्षतिग्रस्त ट्रैक्टर और टवेरा दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है। थाना प्रभारी दिनेश सिंह ने बताया कि हादसे की जांच की जा रही है और फरार ट्रैक्टर चालक की तलाश जारी है। चश्मदीदों के बयान भी दर्ज किए जाएंगे। हादसे के कारण मार्ग पर करीब 25 मिनट तक जाम की स्थिति बनी रही, जिससे दोनों ओर दर्जनों वाहन फंस गए।

प्रयागराज में एम. वेंकटेश नायक को किया गया था निलंबित, आइसा ने किया था प्रदर्शन

प्रयागराज (संवाददाता)। एमएनएनआइटी (मोतीलाल नेहरू नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) के असिस्टेंट प्रोफेसर एम. वेंकटेश नायक के मामले में संस्थान बैकफुट पर आ गया है। निलंबित किए गए प्रो. वेंकटेश का निलंबन आज सोमवार को बहाल कर दिया गया है। वहीं, एमएनएनआइटी के जन संपर्क अधिकारी विकास श्रीवास्तव का कहना है कि एम. वेंकटेश ने माफी मांग ली है इसलिए उनका निलंबन वापस कर दिया गया है। बता दें कि सितंबर में ही वेंकटेश को निलंबित किया गया था। दरअसल, वेंकटेश ने आरोप लगाया था कि अनुसूचित जन जाति के होने की वजह से उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने कुछ प्रोफेसरों पर भी गंभीर आरोप लगाए थे। आइसा के प्रदेश अध्यक्ष मनीष कुमार ने कहा, अनुसूचित जनजाति के फैकल्टी डॉक्टर वेंकटेश को पिछले दो महीने से निलंबन करके उनकी तनख्वाह और अकादमी जिम्मेदारियां से वंचित कर दिया गया था। इसके खिलाफ एमएनएनआइटी गेट पर विरोध प्रदर्शन दर्ज किया गया था। इसी आंदोलन के दबाव में आकर एमएनएनआइटी प्रशासन द्वारा निलंबन वापस ले लिया गया है जो स्पष्ट रूप से आंदोलन की जीत है।

प्रयागराज माघ मेला की तैयारी पूरी, सुरक्षा चाक-चौबंद

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में माघ मेला की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। देश की राजधानी दिल्ली में हुए ब्लास्ट के बाद प्रशासन और अधिक सतर्क हो गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को बेहद कड़ा कर दिया गया है। बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने पर रोका जा रहा है। मेला क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में बम डिस्पोजल स्क्वाड और डॉग स्क्वाड टीमें लगातार जांच कर रही हैं। बन रहे अस्थाई ढांचों और चल रहे निर्माण कार्यों की बारीकी से जांच की जा रही है। मेले के हर संवेदनशील स्थान पर सुरक्षा कर्मी पैनी नजर बनाए हुए हैं। सुरक्षा के मद्देनजर माघ मेला क्षेत्र में बिना अनुमति के ड्रोन उड़ाने पर पूर्णतः रोक लगा दी गई है। ड्रोन उड़ाते पकड़े जाने वालों से पूछताछ भी की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुछ दिन पहले स्वयं माघ मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर चुके हैं। मुख्यमंत्री के दौरे के बाद तैयारियों में और तेजी आई है तथा सुरक्षा एजेंसियां पूरी मुस्तैदी के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभा रही हैं। प्रशासन का कहना है कि मेला क्षेत्र के हर जगह पर नजर रखी जा रही है ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित माहौल मिल सके।

मतदाता सूची में नाम लेकिन एसआईआर फॉर्म नहीं मिला

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) अभियान के तहत मतदाता सूची के सत्यापन का कार्य शहरभर में चल रहा है, लेकिन मुस्लिम बहुल इलाकों में शिकायतों का दौर थम नहीं रहा। करेली, अंशुलिया, नूरुल्ला रोड, अटाला सहित कई क्षेत्रों के लोगों का आरोप है कि मतदाता सूची में उनका नाम ही नहीं मिल रहा, जबकि कुछ परिवारों को नाम मिलने के बावजूद एसआईआरफार्म उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है और बीएलओ कैंपों पर लगातार भीड़ और विवाद की स्थिति बन रही है। करेली क्षेत्र में लगाए गए बीएलओ कैंप पर कई मुस्लिम महिलाओं ने नाराजगी जताई। एक शिकायतकर्ता महिला ने बताया कि वह वर्षों से वोट डाल रही हैं, लेकिन इस बार सूची में उनका नाम नदारद है। वहीं दूसरी महिला ने कहा कि नाम तो सूची में मिला है, लेकिन बीएलओ उन्हें एसआईआर फॉर्म नहीं दे रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि "इधर-उधर दौड़ा रहे हैं, कोई फार्म नहीं दे रहा। बोलते हैं कि बाद में आएं।" लोगों का कहना है कि बिना फॉर्म के वे संशोधन प्रक्रिया पूरी नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उनके नाम दोबारा सूची में जुड़ने को लेकर संशय बना हुआ है। लगातार बढ़ती शिकायतों के बीच जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। शुक्रवार को जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष वर्मा ने करेली क्षेत्र सहित कई बूथों पर अचानक निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों और बीएलओ से जानकारी ली तथा लोगों की समस्याएं सुनीं। निरीक्षण के दौरान कई लोगों ने डीएम के सामने ही नाम गायब होने और फॉर्म न मिलने की शिकायत रखी। डीएम मनीष वर्मा ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से जानबूझकर नहीं हटाया जाएगा। उन्होंने बताया कि लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। अभी केवल एसआईआर फार्म भरकर बीएलओ को जमा करना है, कोई अन्य दस्तावेज नहीं देना है। डीएम ने यह भी कहा कि यदि नाम सूची में नहीं है या फॉर्म उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, तो संबंधित बीएलओ तुरंत फॉर्म उपलब्ध कराएं और आवश्यक कॉलम भरवाएं। उन्होंने अफवाहों पर रोक लगाने की अपील करते हुए कहा कि नाम हटने या पहचान पत्र न होने पर देश से बाहर किए जाने जैसी बातें पूरी तरह झूठी हैं। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि 4 दिसंबर तक डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा कर सभी शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता पर किया जाएगा।

रोजगार दो-सामाजिक न्याय दो पदयात्रा संगम तट पहुंची

प्रयागराज (संवाददाता)। सरयू तट से शुरू हुई रोजगार दोद्द सामाजिक न्याय दो पदयात्रा सोमवार को प्रयागराज के संगम तट पर पहुंचकर पहले चरण में पूरी हुई। यहां पहुंचकर संजय सिंह ने मां गंगा की पूजा-अर्चना की और जय गंगा मां, जय त्रिवेणी के नारे लगाए। उन्होंने कहा भगवान राम ने तो शबरी के झूठे बेर खाए थे लेकिन आज की राजनीति में दलितों और आदिवासियों के साथ 100: भेदभाव हो रहा है। संजय सिंह ने इस मौके पर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर है। बुलडोजर नीति से गरीबों का जीवन उजड़ रहा है और समाज में भेदभाव बढ़ता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि युवाओं, महिलाओं और बुनकरों के पास रोजगार नहीं है जबकि आउटसोर्सिंग के जरिए सरकारी नौकरियां खत्म की जा रही हैं। रेहड़ी-पटरी वालों का रोजगार छीनकर बुलडोजर चलाया जा रहा है। राम मंदिर को लेकर भी उन्होंने सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब मंदिर का शिलान्यास हुआ तो तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को नहीं बुलाया गया और जब उद्घाटन हुआ तो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी आमंत्रित नहीं किया गया। दोनों ही देश के सर्वोच्च पद पर बैठे हैं पर सिर्फ इसलिए नहीं बुलाया गया क्योंकि एक दलित समाज से हैं और दूसरी आदिवासी समाज से। क्या जाति की वजह से देश के राष्ट्रपतियों को राम मंदिर के कार्यक्रम में नहीं बुलाया गया? संजय सिंह ने कहा नफरत से परिवार नहीं चलता, देश कैसे चलेगा? उन्होंने आगे आरएसएस पर निशाना साधते हुए पूछा कि सौ सालों में संघ का एक भी प्रमुख दलित या पिछड़ा क्यों नहीं बना? उन्होंने बताया कि यह यात्रा संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए निकाली गई है और इसे जनता का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। सरयू तट से शुरू यह यात्रा आठ चरणों में पूरे उत्तर प्रदेश को जोड़ेगी।

प्रयागराज में सड़क हादसे में युवक की मौत

प्रयागराज (संवाददाता)। जगेपुर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार, 24 नवंबर 2025 को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। अज्ञात वाहन की टक्कर से एक कार में सवार दो दोस्तों में से एक की मौत हो गई।

विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति का निरीक्षण करने पहुंचे केंद्रीय हिंदी निदेशालय का सहायक निदेशक (भाषा) डॉ0 दीपक पाडेय

इस मौके पर हिंदी परीक्षा में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों का प्रमाण पत्र और पुरस्कार वितरण

विश्वनाथ, असम ।स्वैच्छिक हिंदी संस्थान तथा केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय,भारत सरकार के साथ संबद्ध असम राज्य के विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति 10 वर्षों से हिंदी भाषा तथा साहित्य के प्रचार–प्रसार में संलग्न और यह हिंदी भाषा के क्षेत्र में अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों में एक है। इसकी कामकाज की कार्य प्रणाली को निरीक्षण हेतु कल शनिवार को राष्ट्रीय विद्यालय के प्रागंण में प्रातः 11 बजे दिल्ली से पधारे भारत सरकार ,शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग के केंद्रीय हिंदी निदेशालय के सहायक निदेशक (भाषा) डॉ० दीपक पाण्डेय संस्थान का निरीक्षण करने पहुंचे ।उनके साथ निरीक्षण दल में गौहाटी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्राध्यापक प्रोफेसर दिलीप कुमार मेधी , प्रवर श्रेणी लिपिक अख्तार हुसैन शामिल थे । संस्थान के निरीक्षण करते हुए सहायक निदेशक जी ने कहा इस संस्थान ने हिंदी भाषा के विकास में केंद्रीय हिंदी निदेशालय के सहयोग से काफी सारे सराहनीय कार्य किया है। सभी को एकजुटता से इस संस्थान की कार्य और दस्तावेज संरक्षण की आग्रह की ।वे विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के कार्यालय कक्ष में पदार्पण करके संस्थान के सचिव संतोष कुमार महतो से दस्तावेज संग्रह की और लेखा जोखा ली ।उन्होंने संस्थान कार्यक्रम से संतुष्टि जाहिर की। तत्पश्चात् एक सम्मान समारोह तथा प्रमाण पत्र वितरण सभा का आयोजन किया गया, जिसका अध्यक्षता संस्थान के कार्यकरी अध्यक्ष सूर्य नारायण पाण्डेय ने की । सर्वप्रथम विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के कार्यकारी अध्यक्ष सूर्य नारायण पाण्डेय ने मंचासीन केंद्रीय हिंदी निदेशालय के सहायक निदेशक डॉ० दीपक पाण्डेय को एक असमिया फुलाम गामोछा से सम्मानित किया। इधर संस्थान के शिक्षण केंद्र बरंगाबाड़ी के प्रचारक राहूल मिश्रा ने सहायक निदेशक जी को फुलाम गामोछा और असम के जातीय प्रतीक जापी से अभिनंदन किया। इसके बाद सभाध्यक्ष सूर्य नारायण पाण्डेय,प्रोफेसर दिलीप कुमार मेधी, संस्थान के उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता, साहित्य सचिव मदन गोपाल साहू, कोषाध्यक्ष बजरंग रौनियार , राष्ट्रीय विद्यालय हाई स्कूल के प्राचार्य बीरेंद्र प्रसाद शर्मा , राष्ट्रीय विद्यालय एम ई के वरिष्ठ शिक्षक रवींद्रनाथ गुप्ता को फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया ।उन्होंने अपने मुख्य अतिथि के वक्तव्य में राष्ट्रभाषा हिंदी के संपर्क स्थापित करके मातृभाषा में काम करने के लिए उपस्थित लोगों को आह्वान किया और राष्ट्रभाषा हिंदी शिक्षा से आप बाहर राज्य में संपर्क भाष के तौर पर संपर्क स्थापित कर सकते हैं । साथ ही इस मौके पर असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति और राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के परीक्षा में अव्वल अंक से उत्तीर्ण विद्यार्थी को अंक पत्र , प्रमाण पत्र और मेडल से पुरस्कृत किया गया ।अंत में सचिव उपस्थिति अतिथि को धन्यवाद ज्ञापित किया । इस मौके पर संस्थान कोषाध्यक्ष बजरंग रौनियार सलाहकार सत्यप्रकाश गुप्ता, सदस्या तथा विश्वनाथ महाविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यापिका गीता वर्मा,सदस्या कल्पना पाल, मनीषा पाल,शिक्षिका धरित्री राय बरूआ ,कोसगांव, खराशिमलु, डफलागढ़, सोतिया , बरंगाबाड़ी हिंदी शिक्षण केंद्र के अध्यापक अध्यापिका क्रमशः ऊषा साहू,गायित्री कलवार, अनवारा खातुन, गायत्री गुप्ता, राहूल मिश्रा , शिक्षिका रुकसद परवीन प्रचारक और गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

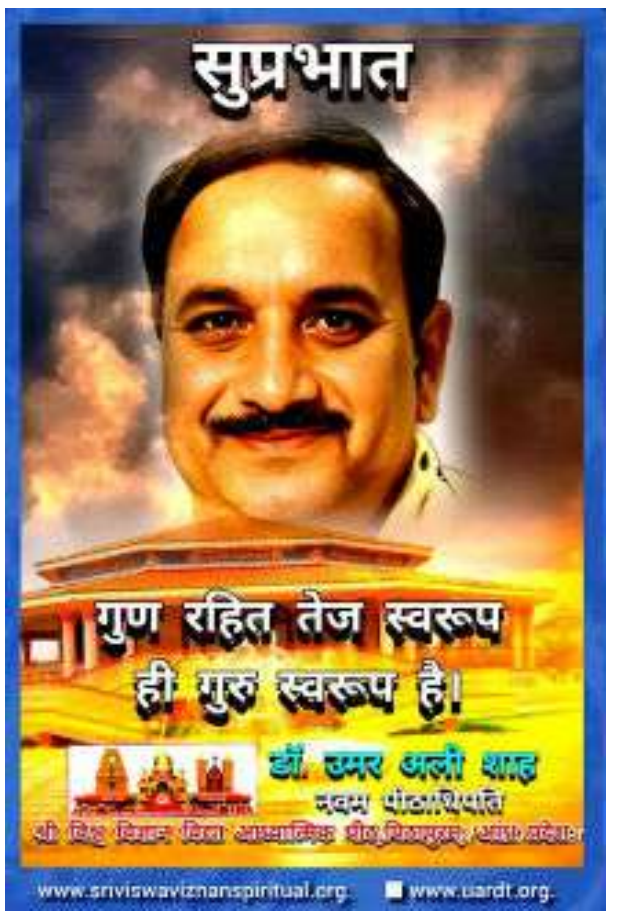

आदर्श व्यापार मंडल की बैठक, संगठन को मजबूत बनाने की तय हुई रणनीति

सरकारी खरीदारी में व्यापारियों को प्राथमिकता देने की मांग

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में आदर्श व्यापार मंडल की कोर कमेटी की बैठक हुई। अयोध्या रोड स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने की। बैठक में संगठन को अधिक प्रभावी और सक्रिय बनाने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की गई। साथ ही यह निर्णय लिया गया कि लखनऊ सहित प्रदेश की सभी क्षेत्रीय इकाइयों का चरणबद्ध तरीके से पुनर्गठन और विस्तार किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि उत्तर प्रदेश के व्यापारियों के व्यापार को सुरक्षित रखना और उसे बढ़ाना संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आदर्श व्यापार मंडल प्रत्येक व्यापारी को संगठन से जोड़ेगा और उनकी हर समस्या के समाधान के लिए पूरी क्षमता से संघर्ष करेगा। उन्होंने सरकार से मांग किया है कि प्रदेश में होने वाली सभी सरकारी खरीद में स्थानीय व्यापारियों को प्राथमिकता दी जाए, जिससे उनका व्यापार सशक्त हो सके। बैठक में व्यापारियों ने 'ओडीओपी' की तर्ज पर 'एलडीएलटी योजना' (लोकल डिस्ट्रिक्ट लोकल ट्रेडर) लागू करने की मांग सरकार से किया है। ताकि प्रत्येक जिले के स्थानीय व्यवसाय को प्रोत्साहन मिल सके ।बैठक के दौरान नगर निगम द्वारा दुकानों को हाउस टैक्स बकाया को लेकर सील किए जाने पर नाराजगी जताई। पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि नगर निगम बाजारों से अतिक्रमण हटाने में उदासीन रहता है और केवल राजस्व वसूली पर ध्यान देता है। व्यापारियों ने यातायात जाम, बाजारों में अस्थायी अतिक्रमण, हाउस टैक्स के गलत बिल और लखनऊ विकास प्राधिकरण से जुड़ी समस्याओं को उठाया। समिति ने इन सभी मुद्दों पर आंदोलन और संघर्ष की रणनीति बनाने पर भी सहमति जताई।

'फन का रॉकस्टार सीजन थ्री ने लखनऊ में मचाया धमाल'

लखनऊ, संवाददाता। शहर के पसंदीदा शॉपिंग डेस्टिनेशन फन रिपब्लिक मॉल में तीन दिवसीय 'फन का रॉकस्टार सीजन–3' का सफल आयोजन किया गया। इस म्यूजिक फेस्ट–कम–कम्पटीशन में शहर के स्कूल, कॉलेज और प्रोफेशनल–तीनों कैटेगरी के बैंड्स ने अपनी शानदार प्रस्तुति से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। दिल सम्भल जरा, वो भी अपने न हुए, प्रीत की लत, बादशाह ओ बादशाह जैसे गानों ने माहौल को संगीतमय कर दिया। इसके बाद शिव तांडव ने माहौल को गर्म कर दिया और लोगों के हाथ अपने आप भोलेनाथ की श्रद्धा में बंध गए। स्कूल बैंड की परफॉर्मेंस में विजेता– इश्क एक्सप्रेस (ला मार्टिनियर), पहला उपविजेता– नूरे (जयपुरिया), दूसरा उपविजेता दृ एलपीसी बैंड रेंजर्स (एलपीसी स्कूल) बात करें अगर कॉलेज बैंड की तो विजेता– एनम कारा द बैंड (भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय) पहला उपविजेता– हाई नोट द बैंड (इंटीग्रल यूनिवर्सिटी) दूसरा उपविजेता– अलंकार (आईईटी) और अंत में प्रोफेशनल बैंड में विजेता– फितूर बैंड, पहला उपविजेता– टीम नाद रोग, दूसरा उपविजेता– आरएस म्यूजिक बैंड और वाणी लाइव बैंड रहे। प्रथम विजेता को 15,000, द्वितीय विजेतको 10,000 एवं तृतीय विजेता को 5,000 साथ ही आकर्षक ट्रॉफियाँ भी प्रदान की गईं। फन रिपब्लिक मॉल के जनरल मैनेजर अश्विनी सिंह ने कहाः "भारत में संगीत का अपना विशेष महत्व है। हमारी संस्कृति में संगीत हमेशा से प्रेरणा और उत्साह का माध्यम रहा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए मॉल में 'फन का रॉकस्टार सीजन–3' का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूल, कॉलेज और प्रोफेशनल बैंड्स ने शानदार प्रदर्शन किया। मॉल आगे भी ऐसे संगीतमय कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा, ताकि शहर के लोगों को कला और संगीत का बेहतरीन अनुभव मिलता रहे।

अभिनेता धर्मेंद्र के निधन पर मुख्यमंत्री ने जताया दुख, कहा- कला व फिल्म जगत की अपूरणीय क्षति है

लखनऊ, संवाददाता। बॉलीवुड अभिनेता के निधन पर सीएम योगी गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि लोकप्रिय फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र जी का निधन अत्यंत दुःखद एवं कला व फिल्म जगत की अपूरणीय क्षति है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति तथा शोकाकुल परिजनों एवं उनके प्रशंसकों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। अपा को बता दें कि लंबे बिमारी के बाद आज बॉलीवुड का निधन हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, धर्मेंद्र को सांस लेने में दिक्कत होने के कारण 31 अक्टूबर 2025 को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

ऋषि परम्परा में सामाजिक संजीवनी

प्रयागराज। के. एल. ऐकेडमी, प्रयागराज की ओर से रविवार को इंटीग्रेटिंग ऑर्गेनिक एंड नेचुरल फार्मिंग मॉडल फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज के सभागार में आयोजित कांफ्रेंस में सर्वप्रथम अतिथियों ने दीप प्रज्वलन किया। संयोजक रज्जू भय्या विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने स्वागत भाषण किया। के. एल. ऐकेडमी प्रयागराज के महासचिव डॉ. अंबुज द्विवेदी विषय परिवर्तन करते हुए संस्था के मूल उद्देश्य पर प्रकाश डाला। पर्यावरण मंत्रालय की प्रथम महिला डायरेक्टर डॉ. धृति

बनर्जी ने कहा कि पर्यावरण तथा प्राकृतिक परिवेश से हमारा जुड़ाव अपनी मां की तरह होना चाहिए। डिप्टी डायरेक्टर जनरल डॉ. पर्मेन्दर सिंह ने कहा कि ऋषि कृषि परंपरा का अनुगमन समाज को स्वास्थ्यवर्धक संजीवनी देता है। शुआट्स के प्रो. आशीष एस. नोएल ने कहा कि जैविक एवं प्राकृतिक खेती हमारी आवश्यकता बन गई है। बायोवेद शोध संस्थान के डायरेक्टर डॉ. बृजेश कान्त द्विवेदी ने कहा कि प्राकृतिक खेती मानवीय कल्याण के लिए वरदान है। किसान वैज्ञानिक पद्मश्री चंद्रशेखर सिंह, डॉ विजय बहादुर सिंह, डॉ. विष्णु देव राजदूत, डॉ.अभिषेक सिंह, डॉ. शिवजी मालवीय, प्राचार्य प्रो. रणंजय सिंह, डॉ. प्रीतेश द्विवेदी, डॉ. उद्देश्य सिंह ने कांफ्रेंस में अपने–अपने अनुभव साझा किये। रज्जू भय्या विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य संस्कृत डॉ. पीयूष मिश्र ने उद्घाटन सत्र का सफल संचालन किया। शुआट्स के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रीतेश द्विवेदी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर रज्जू भय्या विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सच्चिदानंद मिश्र, डॉ. तरुण कुमार, डॉ. ललित सनौदिया. प्रो. महेंद्र प्रताप तिवारी, डॉ. समीर इत्यादि सैकड़ों प्राध्यापकगण सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के लगभग पांच सौ छात्र उपस्थित रहे।

बांग्लादेशी घुसपैठियों के साथ संगठित गिरोह भी चुनौती, नागरिकता दस्तावेज बनाने... मानव तस्करी में थे शामिल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अवैध रूप से निवास कर रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के साथ उनके संगठित गिरोह से निपटना भी चुनौती है। यूपी एटीएस लगातार ऐसे बांग्लादेशी घुसपैठियों के संगठित गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई करती है, इसके बावजूद उनकी संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। खासकर बीते दो वर्षों के दौरान ऐसे कुछ गिरोह का खुलासा हुआ जो घुसपैठ कराने के साथ भारतीय नागरिकता के दस्तावेज बनवाने और मानव तस्करी में शामिल थे। सीएम योगी ने प्रदेश में घुसपैठियों को चिह्नित कर उन्हें डिटेंशन सेंटर भेजने और सत्यापन के बाद वापस उनके देश भेजने का आदेश दिया है। यूपी एटीएस बीते आठ वर्ष में करीब 200 बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को गिरफ्तार कर चुकी है, हालांकि इनको वापस भेजने की कवायद नहीं

हो सकी। केवल बड़े शहर ही नहीं, छोटे जिलों में भी घुसपैठियों ने अपने ठिकाने बना लिए हैं।

74 रोहिंग्या नागरिक गिरफ्तार किए गए थे

वर्ष 2023 में एटीएस ने बलिया से मोहम्मद अरमान उर्फ अबु तल्हा और अब्दुल अमीन को गिरफ्तार किया था, जो बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों को घुसपैठ कराने के साथ उनके आधार कार्ड, पासपोर्ट आदि बनवाकर विदेश भेजते थे। वहीं जुलाई, 2023 में एटीएस ने अभियान चलाकर 74 रोहिंग्या नागरिकों को गिरफ्तार किया था। एटीएस की कार्रवाई के दौरान म्यांमार से घुसपैठ करने वाले कई रोहिंग्या नागरिक भी दबोचे गए थे।

यूपी में बरती जा रही खास सतर्कता

केंद्र और राज्य सरकारें अवैध विदेशी नागरिकों की पहचान का अभियान चला रही हैं। यूपी इस दिशा में विशेष सतर्कता बरत रहा है। दरअसल, बीते वर्षों में नेपाल सीमा के जिलों में अस्थिरता, फर्जी पहचान और घुसपैठ की घटनाएं बढ़ी हैं। फर्जी पहचान के सहारे विभिन्न शहरों में बस रहे अवैध घुसपैठिए कानून–व्यवस्था के लिए चुनौती हैं और संसाधनों पर भी गंभीर दबाव डाल रहे हैं।

अवैध बांग्लादेशी भारत में निवास कर रहे

वर्ष 2016 में तत्कालीन केंद्रीय गृह राज्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद को बताया था कि करीब 2 करोड़ अवैध बांग्लादेशी भारत में निवास कर रहे हैं। वहीं अवैध रोहिंग्या प्रवासियों की संख्या 40 हजार से अधिक है। इससे लखनऊ, नोएडा, गाजियाबाद और वाराणसी जैसे अधिक आबादी वाले शहर ज्यादा प्रभावित होते हैं। नेपाल सीमा से सटे यूपी के जिलों में अवैध प्रवेश, फर्जी पहचान और संदिग्ध गतिविधियों का जोखिम अधिक रहता है।

ओवरलोडिंग से वसूली: एसटीएफ के रडार पर जांच के बीच अचानक छुट्टी पर गए परिवहन अधिकारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ओवरलोडिंग वाहनों से अवैध वसूली के सिंडिकेट की जांच कर रही एसटीएफ के रडार पर परिवहन विभाग के कई अधिकारी आ गए हैं। ये अधिकारी एसटीएफ जांच शुरू होते ही अचानक चिकित्सकीय अवकाश पर चले गए हैं और उनके मोबाइल नंबर भी बंद हैं। एसटीएफ ने इस सिंडिकेट के खिलाफ मड़ियांव थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। इस मामले में ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ में तैनात एआरटीओ (प्रवर्तन) राजीव कुमार बंसल समेत कई अन्य लोग नामजद हैं। एसटीएफ की टीम जांच के सिलसिले में कई बार ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ कार्यालय जाकर दस्तावेज खंगाल चुकी है। परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने इन अधिकारियों के अवकाश पर जाने के बाद कार्यभार उनके समकक्षों को सौंपने के निर्देश जारी किए हैं। जिन अधिकारियों के छुट्टी पर जाने की पुष्टि हुई है, उनमें शामिल हैं–

राजीव कुमार बंसल (एआरटीओ, प्रवर्तन, ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ, लखनऊ), संजीव कुमार सिंह (एआरटीओ, प्रवर्तन, उन्नाव), प्रतिभा गौतम (एआरटीओ, प्रवर्तन, उन्नाव), अंबुज (एआरटीओ, प्रवर्तन, रायबरेली), अंकिता शुक्ल (एआरटीओ, प्रशासन, बाराबंकी), पुष्पांजलि मित्रा गौतम (एआरटीओ, प्रशासन, फतेहपुर) कई प्रवर्तन अधिकारियों के मोबाइल नंबर बंद होने से जांच में दिक्कतें आ रही हैं।

नाजुक पैंसी फूल

नाजुक नाजुक पंखुरी, चटकीले हैं रंग।
पैंसी को पहचान दे, करते हैं सत्संग।
करते हैं सत्संग, बताते हरि की महिमा।
भरके सदा सुगन्ध,सभी की रखकर गरिमा।
सुन लो कहें प्रदीप,बात इसके ही ताल्लुक।
सबको दे मुस्कान,पंखुरी इसकी नाजुक।।

उपवन की शोभा बने,नाजुक पैंसी फूल।
पंखुरियों में रंगभर, खिलें प्रकृति अनुकूल।
खिले प्रकृति अनुकूल,न करता है मनमानी।
खुद में बना किताब, मगर समझे अज्ञानी।
सुन लो कहें प्रदीप, फूल का पढ़िए बचपन।
संघर्षों के बीच, सदा महकाता उपवन।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भागवंती सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज में गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस की पूर्व बेला मनाई गई

मुजफ्फरनगर। आज भागवंती सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज में गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान दिवस की पूर्व बेला श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ ।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता आचार्या शालू मलिक जी ने गुरु तेग बहादुर जी के अद्वितीय त्याग, साहस एवं मानवता के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि गुरु जी का जीवन सभी को सत्य, निडरता एवं धर्म–रक्षा की राह पर चलने की प्रेरणा देता है ।विद्यालय की छात्राओं ने गुरु तेग बहादुर जी की जीवन गाथा पर आधारित सुभाषित, कविताएं एवं प्रेरणादायक प्रस्तुतियाँ देकर उपस्थितजन को भाव–विभोर कर दिया ।कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्या डॉ. वंदना शर्मा जी ने गुरु तेग बहादुर जी से संबंधित प्रेरक कथाओं के माध्यम से छात्राओं को महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्यों से अवगत कराया। उन्होंने गुरु जी के अद्वितीय बलिदान को शत–शत नमन करते हुए कहा कि ऐसे महापुरुषों के आदर्श राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरक शक्ति हैं ।अंत में विद्यालय परिवार ने गुरु तेग बहादुर जी को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय के निदेशक प्रोफेसर हितेंद्र मिश्र ने क्षेत्रीय कार्यालय गुवाहाटी किया दौरा

गुवाहाटी, असम। शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के निदेशक प्रो. हितेंद्र मिश्र आज गुवाहाटी स्थित केंद्रीय हिंदी निदेशालय के

क्षेत्रीय कार्यालय पधारेश। क्षेत्रीय प्रभारी डॉ० दीपक पाण्डेय ने उनका भव्य स्वागत किया और कार्यालय की गतिविधियों की जानकारी दी। स्थानीय हिंदी सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी इस अवसर पर प्रोफेसर मिश्र से मुलाकात के लिए पहुँचे। इस दौरान हिंदी के प्रचार – प्रसार पर गंभीर विचार –विमर्श हुआ ।संस्थाओं के प्रतिनिधियों से प्रोफेसर मिश्र ने कहा सकारात्मक सोच के साथ वर्तमान समय की तकनीकों के सहारे लक्ष्यों को प्राप्त करने का संकल्प लेना चाहिए ।निदेशालय सभी के सहयोग से ही उद्देश्यों को गतिमान कर सकता है ।इस मौके पर स्वैच्छिक हिंदी सेवी संस्थाएं के प्रमुख, क्षेत्रीय कार्यालय गुवाहाटी के कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त कर्मचारी उपस्थित थे।

सम्पादकीय.....

आत्मनिर्भर भारत का सबसे बड़ा उत्सव है ट्रेड फेयर

14 नवंबर से 27 नवंबर 2025 तक दिल्ली के प्रगति मैदान में 45वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला भव्य रूप में आयोजित हो रहा है। साल दर साल यह मेला न केवल देश के व्यापार को बढ़ावा देता है बल्कि भारत की विविध संस्कृति, कला, तकनीक और नवाचार को भी दुनिया के साथ साझा करने का सबसे बड़ा मंच बन चुका है। प्रगति मैदान में हर वर्ष लगने वाला यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला देश की आर्थिक, सांस्कृतिक और तकनीकी प्रगति का जीवंत उत्सव है। यह वह मंच है, जहां भारत अपने भीतर छिपी विशाल संभावनाओं, विविधताओं और नवाचारों को दुनिया के सामने पूरी ऊर्जा और भव्यता के साथ प्रस्तुत करता है। इस वर्ष आयोजित किया जा रहा 45वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला कई मायनों में अत्यंत खास है। यह केवल खरीदारी का मौका नहीं बल्कि हर आगंतुक के लिए सीख, अनुभव, मनोरंजन और वैश्विक सामंजस्य का अनूठा संगम बन चुका है। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की थीम के साथ यह आयोजन देश की सांस्कृतिक एकता, तकनीकी क्षमता, आत्मनिर्भरता की भावना और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका को नई पहचान देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस मेले को 'आत्मनिर्भर भारत का उत्सव' कहना अपने आप में इस आयोजन की महत्ता को दर्शाता है। यह वास्तव में वही स्थान है, जहां भारत दुनिया से मिलता है, दुनिया भारत को समझती है और दोनों मिलकर नए विचारों और नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करते हैं। यही कारण है कि यह मेला दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा बी2बी और बी2सी मंच बन चुका है, जहां कारोबार, तकनीक, परंपरा, निवेश, नवाचार और संस्कृति सब एक ही स्थान पर आकार लेते हैं। इस वर्ष मेले में 11 देशों ने भागीदारी की है, जिनमें चीन, थाईलैंड, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, तुर्किये, मिस्र, लेबनान, ईरान, यूएई, स्वीडन और ट्यूनीशिया शामिल हैं। इन देशों की भागीदारी न केवल अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंधों को मजबूत बनाती है बल्कि भारत के युवाओं, उद्यमियों और उद्योगों के लिए सीखने और सहयोग के नए द्वार खोलती है। विदेशी स्टॉलों पर तकनीक, फैशन, कृषि, इलैक्ट्रॉनिक्स, कला, होम डेकोर और जीवनशैली से जुड़े उत्पादों का ऐसा अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है, जो किसी भी आगंतुक को वैश्विक बाजारों की ताजा हलचल और रुझानों से जोड़ देता है। भारत के राज्यों की भागीदारी इस मेले की सबसे बड़ी विशेषता है क्योंकि यहां देश की सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता एक ही छत के नीचे साकार होती है। इस बार बिहार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र पार्टनर स्टेट हैं जबकि झारखंड को 'फोकस स्टेट' का विशेष दर्जा दिया गया है। इन राज्यों के मंडपों में कला, लोककला, परंपरागत शिल्प, कृषि आधारित नवाचार, औद्योगिक प्रगति, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्टार्टअप इकोसिस्टम और सरकारी योजनाओं की झलक मिलती है। यह वह मौका है, जब आगंतुक केवल देखते नहीं बल्कि समझते भी हैं कि भारत की सच्ची ताकत उसकी विविधता में है और यही विविधता उसे वैश्विक मंच पर सबसे अलग बनाती है। मेले के हॉलों में इस बार अत्याधुनिक तकनीक से लेकर परंपरागत कला तक सब कुछ देखने को मिलेगा। इलैक्ट्रॉनिक्स, साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप इनोवेशन, वस्त्र, मसाले, हस्तशिल्प, एमएसएमई उत्पाद, खादी और ग्रामीण विकास से जुड़े हजारों उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। हॉल 8, 9 और 10 में 'सरस मेला' देशभर की स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का बड़ा अवसर देता है। यहां ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रॉडक्ट) की झलक भी देखने को मिलती है, जो स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देने का महत्वपूर्ण प्रयास है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग, आयुष मंत्रालय, रेलवे, आरबीआई, एलआईसी, एनसीईआरटी, पीएमबीआई और कई अन्य प्रमुख सरकारी संस्थाएं भी इस मेले में अपने नवाचार और सेवाओं के माध्यम से देश की प्रगति को दर्शाती हैं। यह मेला वास्तव में भविष्य की दिशा दिखाता है, एक ऐसा भारत, जो परंपरा को भी संभाले हुए है और आधुनिक तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। इस मेले की एक और खासियत इसका सांस्कृतिक वैभव है। रोजाना विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सांस्कृतिक कार्यक्रम खुले मंचों पर प्रस्तुत किए जाते हैं। लोक संगीत, शास्त्रीय नृत्य, जनजातीय नृत्य, फोक फ्यूजन और पारंपरिक कला का अनूठा मेल न केवल वातावरण को जीवंत बनाता है बल्कि आगंतुकों को भारत की सांस्कृतिक आत्मा से जोड़ देता है। साथ ही, भारतीय व्यंजनों की खुशबू और स्वाद हर आगंतुक के लिए इस मेले के अनुभव को अविस्मरणीय बना देते हैं। प्रगति मैदान जैसे विशाल परिसर में सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए इस वर्ष विशेष प्रबंध किए गए हैं। हर हॉल के पास फर्स्ट एड बूथ, मेडिकल सुविधाएं, दर्जनों एंबुलेंस और पर्याप्त संख्या में व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है। 245 यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती, 16 बाइक पैट्रोल टीमें, 15 क्रेन और तीन आपदा प्रबंधन वाहन मेले की भीड़–भाड़ को नियंत्रित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। यातायात नियंत्रण कक्ष और सोशल मीडिया पर लगातार जारी की जा रही ट्रैफिक एडवाइजरी सुनिश्चित करती है कि कोई भी आगंतुक परेशानी का सामना न करे। टिकट व्यवस्था की बात करें तो 19 से 27 नवंबर तक आम जनता के लिए सामान्य दिनों में 80 रुपये और सप्ताहांत पर 150 रुपये का टिकट रखा गया है। बच्चों के लिए टिकटें 40 और 60 रुपये हैं जबकि वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजन के लिए प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क है। टिकट दिल्ली मैट्रो स्टेशनों और आईटीपीओ की वेबसाइट पर आसानी से उपलब्ध हैं। आवागमन के लिए दिल्ली मैट्रो सबसे सुरक्षित और सुविधाजनक विकल्प है। सुप्रीम कोर्ट मैट्रो स्टेशन सीधे भारत मंडपम के प्रवेश द्वार तक पहुंच प्रदान करता है। गेट नंबर 3, 4, 6 और 10 से आगंतुकों का प्रवेश सुनिश्चित किया गया है जबकि अन्य द्वारों पर प्रवेश प्रतिबंधित है। ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए प्रगति मैदान के आसपास कई मार्गों में बदलाव किए गए हैं, इसलिए सलाह दी जाती है कि वाहन से आने वाले लोग पार्किंग संबंधी दिशा–निर्देशों का पालन करें। बेसमेंट पार्किंग और राष्ट्रीय स्टेडियम पार्किंग में बड़े पैमाने पर वाहन पार्किंग की सुविधा है। कुल मिलाकर, भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं बल्कि यह उन लाखों लोगों का साझा मंच है, जो भारत के सपनों, संभावनाओं, उद्यमिता, नवाचार और सांस्कृतिक गौरव को साथ लेकर चलते हैं। यह मेला बताता है कि भारत न केवल दुनिया से सीख रहा है बल्कि दुनिया को बहुत कुछ सिखाने की क्षमता भी रखता है।

श्री गुरु तेग बहादुर जी, सत्य, सेवा और स्वतंत्रता के महायोद्धा

तरुण चुघ

यह वही दौर था जब सम्राट औरंगजेब ने पूरे भारत में जबरन धर्मांतरण की नीति लागू कर रखी थी। मंदिर तोड़े जा रहे थे, धार्मिक स्वतंत्रता कुचली जा रही थी और सबसे अधिक अत्याचार कश्मीर के हिंदू पंडितों पर हो रहा था।

भारत का इतिहास उन महान विभूतियों के त्याग, सत्य और साहस से आलोकित है, जिन्होंने मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राणों तक का बलिदान दे दिया। सिख धर्म के नौवें गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर साहिब, ऐसे ही एक दिव्य व्यक्तित्व थे, जिनका जीवन, दर्शन और बलिदान आज भी संपूर्ण मानव सभ्यता को रास्ता दिखाने वाली ज्योति है। वह केवल एक सम्प्रदाय के गुरु नहीं थे बल्कि समूचे भारत की आत्मा के रक्षक थे। इसलिए उन्हें 'हिंद की चादर' कहा गया जो धर्म, आस्था और मानवता की रक्षा करने वाली वह ढाल थे, जिसका तेज सदियों बाद भी उतना ही उज्ज्वल है। गुरु तेग बहादुर जी का जन्म 1 अप्रैल,1621 को अमृतसर में गुरु हरगोबिंद साहिब के घर हुआ। बचपन से ही उनमें ध्यान, चिंतन, विनम्रता और त्याग के गुण सहज रूप से विद्यमान थे। प्रारंभिक नाम 'त्याग मल' था, पर युद्ध में दिखाई अद्भुत वीरता के कारण उनका नाम 'तेग बहादुर' अर्थात 'तलवार के धनी' पड़ा। गुरु तेग बहादुर जी ने गुरु नानक देव जी की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए पूरे उत्तर भारत में व्यापक यात्राएं कीं। पंजाब, बिहार, बंगाल, असम और हिमालय तक फैले इन दौरों का मूल उद्देश्य था मनुष्य को जाति–पाति, ऊंच–नीच और संकीर्णताओं से ऊपर उठाकर मानव धर्म अपनाने का संदेश देना। उनकी वाणी में जीवन की अनित्यता, भय से मुक्ति, सत्य के मार्ग पर अडिग रहने और वैराग्य के महत्व का अद्भुत संगम मिलता है। उनके 116 शब्द गुरु ग्रंथ साहिब में संकलित हैं, जिनमें मानव मन की कमजोरियों, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार पर गहरा प्रहार है। 1664 में गुरु पद ग्रहण करने के बाद उनका जीवन समाज के लिए और भी समर्पित हो गया। यह वही दौर था जब सम्राट औरंगजेब ने पूरे भारत में जबरन धर्मांतरण की नीति लागू कर रखी थी। मंदिर तोड़े जा रहे थे, धार्मिक स्वतंत्रता कुचली जा रही थी और सबसे अधिक अत्याचार कश्मीर के हिंदू पंडितों पर हो रहा था। अत्याचारों से ग्रस्त कश्मीरी पंडितों का एक प्रतिनिधिमंडल आनंदपुर साहिब पहुंचा और गुरु तेग बहादुर जी से रक्षा की गुहार लगाई। यह क्षण भारतीय इतिहास का अनोखा अध्याय है जब एक समुदाय दूसरे समुदाय से अपनी आस्था की रक्षा के लिए समर्थन मांग रहा था और वह समर्थन उन्हें पूर्ण निर्भीकता और करुणा के साथ प्राप्त हुआ। गुरु तेग बहादुर जी ने परिस्थिति की गंभीरता समझते हुए कहा कि धर्म की रक्षा के लिए यदि किसी एक के बलिदान की आवश्यकता है तो तेग बहादुर तैयार है। उन्होंने अपने 9 वर्षीय पुत्र गोबिंद राय से पूछा कि इस समय मानवता की रक्षा के लिए कौन बलिदान दे सकता है। बालक गोबिंद राय का उत्तर इतिहास में दर्ज हो गया– 'पिता जी! आपसे बढ़कर कौन होगा?' इस उत्तर ने गुरु तेग बहादुर जी के निर्णय को शहादत के अमर मार्ग की ओर अग्रसर कर दिया। उन्होंने घोषणा की कि यदि औरंगजेब उन्हें मुसलमान बना ले तो पूरे हिंदू समाज का धर्मांतरण संभव हो जाएगा। यह चुनौती औरंगजेब की नीतियों के विरुद्ध सबसे बड़ा प्रतिरोध थी, जिसने मुगल सत्ता को नैतिक रूप से झकझोर दिया। गुरु जी भाई मति दास, भाई सति दास और भाई दयाला सहित दिल्ली लाए गए। तीनों को अमानवीय यातनाएं देकर शहीद किया गया। अंततरू 24 नवम्बर 1675 को चांदनी चौक में, जहां आज सीसगंज गुरुद्वारा स्थित है, गुरु तेग बहादुर जी का सार्वजनिक रूप से शीश कलम कर दिया गया। यह बलिदान केवल धार्मिक इतिहास ही नहीं, मानव इतिहास का भी अद्वितीय उदाहरण है, जहां किसी ने अपने धर्म के नहीं बल्कि दूसरे धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग किया। वह हिंदू धर्म के रक्षक कहलाए, पर वास्तविकता यह है कि वह मानव धर्म के सच्चे रक्षक थे। गुरु तेग बहादुर जी ने जबरन धर्मांतरण को अपने अदम्य साहस से रोका और अपनी शहादत देकर लोगों में अपने धर्म और परंपराओं के प्रति दृढ़ आस्था जगाई। आज का भारत गुरु तेग बहादुर जी के आदर्शों को नए युग की शक्ति के रूप में देखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 400वें प्रकाश पर्व को राष्ट्रीय आयोजन का रूप देकर गुरु परंपरा को वैश्विक गरिमा प्रदान की। लाल किले की प्राचीर से आयोजित भव्य कार्यक्रम में उन्होंने गुरु जी के बलिदान को भारतीय आत्मा का सर्वोच्च उदाहरण बताया। इस अवसर पर 100 रुपए का स्मारक सिक्का और विशेष डाक टिकट जारी किया गया जो राष्ट्र की ओर से गुरु परंपरा को सम्मान का प्रतीक है। इसके अलावा, मोदी सरकार ने करतारपुर कॉरिडोर को रिकॉर्ड समय में खोलकर गुरु नानक और गुरु परंपरा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई। आज जब विश्व धार्मिक उग्रवाद, संकीर्णता, हिंसा और असहिष्णुता की चुनौतियों से जूझ रहा है, गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाएं और भी प्रासंगिक हो जाती हैं। गुरु तेग बहादुर जी का नाम भारत की राष्ट्रीय चेतना में उस प्रकाश स्तंभ की तरह है जो अंधकार और भय के सामने कभी मंद नहीं पड़ता। वह हमें याद दिलाते हैं कि धर्म केवल पूजा नहीं बल्कि मानवता की रक्षा का संकल्प है। हिंद की चादर गुरु तेग बहादुर महाराज जी को कोटि–कोटि नमन।

राजस्थान को नया निवेश हब बना रहे सी.एम. भजनलाल शर्मा

शहजाद पूनावाला

ज्यादातर भारतीयों के लिए राजस्थान का नाम सुनते ही हवेलियों पर गिरती रेगिस्तान धूप, सुनहरी धरती से उठते किले और पुराने बाजारों में चमकते रत्नों की तस्वीरें उभरती हैं। राज्य की जी.डी.पी. का लगभग 15 प्रतिशत जो देश में सबसे अधिक में से है, पर्यटन से आता है। लेकिन इस सफलता का एक साइड इफैक्ट भी रहा। राजस्थान को अक्सर एक पर्यटन या सांस्कृतिक गंतव्य के रूप में ही देखा गया न कि एक गंभीर निवेश केंद्र के रूप में। अब यह लंबे समय से बनी धारणा अफसरशाही के भीतर भी धीरे–धीरे बदल रही है। इस बदलाव के केंद्र में हैं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, जिन्होंने अपने पहले वर्ष में एक पारंपरिक राजनेता की तरह नहीं बल्कि एक ऐसे सी.ई.ओ. की तरह काम किया है जो अपनी पुरानी कंपनी को नए बाजार के लिए फिर से स्थापित करने में लगा हो। राजस्थान के पास भूमि का विशाल भंडार, दिल्ली एन.सी.आर. की निकटता, भारत के सबसे तेजी से विकसित होते नवीकरणीय गलियारों में से एक और समृद्ध खनिज संसाधन मौजूद रहे हैं। फिर भी, इन संभावनाओं को ठोस पूंजी में बदलने की रेस में राज्य तटीय प्रदेशों से पीछे रह जाता था। नारेबाजी की बजाय,भजनलाल शर्मा सरकार ने इस अंतर को दूर करने के लिए एक व्यवस्थित आर्थिक दृष्टिकोण अपनाया है। सरल बात यह है कि राजस्थान को एक 'घूमने लायक जगह' की बजाय एक 'निवेश करने लायक राज्य' के रूप में देखा जाए। पिछले एक वर्ष में राज्य ने सैक्टर–आधारित संवादों और आऊटरीच प्रयासों के माध्यम से 1.80 लाख करोड़ रुपए के निवेश सुनिश्चित किए हैं। इंडस्ट्रियल एंटरप्रेन्योर मैमोरैंडम (आई.ई.एम.) में 17 प्रतिशत की बढ़ौतरी, एक गैर–तटीय राज्य के लिए काफी उल्लेखनीय है। इंजीनियरिंग सामान, टैक्सटाइल, पत्थर और रसायन राज्य के प्रमुख निर्यात, सैक्टर, मिलकर 82,000 करोड़ का निर्यात कर चुके हैं। निवेश प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, मुख्यमंत्री के निर्देश पूरी तरह स्पष्ट हैं। आंकड़ों को बढ़ा–चढ़ाकर पेश करने से बचें, हर प्रतिबद्धता को लगातार ट्रैक करें और रूपांतरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। इससे पहले राजस्थान पर ऐसे एम.ओ.यू. के लिए आलोचना होती रही जो कागजों पर बड़े थे लेकिन जमीन पर नहीं उतरते थे। मौजूदा सरकार इस प्रवृत्ति से पूरी तरह अलग दिशा में जाती दिख रही है। राज्य सरकार के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2024 से आए निवेश प्रस्तावों में से लगभग 39 प्रतिशत अब विभिन्न क्रियान्वयन चरणों में पहुंच चुके हैं। अलवर, जोधपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर और नई औद्योगिक बैल्टों में 12,000 एकड़ से अधिक भूमि आबंटित की गई है। लगभग 6,500 मैगावॉट के नवीकरणीय ऊर्जा प्रोजैक्ट मंजूरी के बाद निर्माण चरण में हैं। सरकार का मानना है कि इस तरह की रूपांतरण दर राजस्थान को एक 'घोषणाओं वाला राज्य' नहीं बल्कि 'निवेशक–हितैषी राज्य' के रूप में स्थापित कर देगी। प्रवासी राजस्थान रणनीति– एक शांत लेकिन निर्णायक फकरू राजस्थान सरकार की सबसे दिलचस्प पहलों में से एक है राज्य के प्रवासी समुदाय से सरंचित और व्यवस्थित रूप से जुडने का प्रयास। एक ऐसा समूह जिसकी आर्थिक क्षमता उसके सार्वजनिक विमर्श में दिखने से कहीं अधिक है। प्रवासी राजस्थान की रणनीति पहले इस आधार पर बनी है कि यह समुदाय भावनात्मक आयोजनों के लिए नहीं बल्कि सुव्यवस्थित पूंजी जुटाने के लिए सक्रिय रूप से शामिल किया जाए। यह कार्यक्रम नव करणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, एग्रो–प्रोसैसिंग, हॉस्पिटैलिटी और शिक्षा जैसे उच्च क्षमता वाले क्षेत्रों पर केंद्रित है और हर प्रवासी निवेश पूछताछ को रूपांतरण तक ट्रैक करने के लिए समर्पित टीमें बनाई गई हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, प्रवासी निवेश रुचि लगभग 40,000 करोड़ की संभावित प्रतिबद्धताओं तक पहुंच चुकी है। राजस्थान अब उन कुछ राज्यों में शामिल हो रहा है जो प्रवासी पूंजी को एक अलग, ट्रैक योग्य वर्टिकल की तरह देखते हैं न कि वैश्विक सम्मेलनों के दौरान की जाने वाली औपचारिक गतिविधि की तरह। यह रुझान जारी रहा तो यह पहल मुख्यमंत्री के सबसे महत्वपूर्ण अंतर निर्माताओं में से एक बन सकती है। अपराध और भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरैंसरू दिसंबर 2023 में सत्ता संभालने के बाद से भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने कानून–व्यवस्था की सख्ती और पेपर लीक पर रोक को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसके विपरीत, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत (2018–2023) के कार्यकाल में इन दोनों मोर्चों पर गंभीर आलोचना हुई थी। शर्मा सरकार ने अपराध, भ्रष्टाचार और संगठित गिरोहों पर जीरो टॉलरैंस नीति अपनाई है। प्रमुख उपलब्धियों में एक एंटी–गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन शामिल है, जिसका नेतृत्व ए.डी.जी. रैंक के अधिकारी कर रहे हैं। गहलोत काल में सक्रिय गैंगवार और नशे के कारोबार पर अब सख्त कार्रवाई हुई है। जहां गहलोत के कार्यकाल में 4 वर्षों में 14 पेपर लीक हुए (19 में से 17 परीक्षाएं प्रभावित हुईं), वहीं शर्मा ने पहले दिन ही एक विशेष जांच दल का गठन किया। अब तक 108 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और किसी भी परीक्षा में लीक नहीं हुआ है। एक ऐसे दौर में जब सभी राज्य सीमित निवेश पूल के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, राजस्थान की नई कार्यशैली और स्पष्टता ध्यान खींच रही है। यदि मुख्यमंत्री शर्मा इसी दिशा में आगे बढ़ते रहे तो आने वाले वर्षों में राज्य की पहचान सिर्फ क्षितिज पर खड़े किलों से नहीं होगी बल्कि उस आर्थिक परिवर्तन से भी होगी जो यहां चुपचाप लेकिन तेजी से आकार ले रहा है।

नई भाजपा का शाही सफर, एक दशक में सत्ता और संगठन का नया मॉडल

डा. रचना गुप्ता

भाजपा अध्यक्षों के कार्यकाल में विस्तार का फार्मूला, पार्टी का ऐसा सोचा समझा निर्णय है, जिसे एक दशक में 2 किले भेदने की रणनीति के तौर पर देखा गया है। पहला, भगवा चुनावी साम्राज्य मॉडल विस्तार करना और दूसरा, संगठन की स्थिरता के साथ गठबंधन की मार्फ त, उन क्षेत्रों का विस्तार करना जहां भाजपा की उपस्थिति ही नहीं है। बिहार की जीत का 'नया मॉडल' इसका ताजा उदाहरण है। करीब 45 वर्ष के भारतीय जनता पार्टी के कुल कार्यकाल में, पिछले एक दशक में जैसे सामाजिक आधार को राजनीतिक स्थिरता ने भाजपा को 2 भागों में बांट दिया– 'पुरानी भाजपा' और 'नई भाजपा'। नई भाजपा का दौर राजनाथ सिंह, अमित शाह व जे.पी. नड्डा के कार्यकाल को माना जा सकता है। भाजपा का नया रूप व नई रणनीति को समझना बिहार चुनावों के बाद, इसलिए महत्वपूर्ण बन जाता है, जब इसके बाद भाजपा का अगला निशाना पश्चिम बंगाल और साऊथ के राज्यों में चुनाव का है। पृष्ठ भूमि में बता दें कि 6 अप्रैल 1980 को भाजपा के जन्म के बाद , अमित शाह पार्टी के 14वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। इससे पहले राजनाथ के रहते ही नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने,फिर पार्टी की कमान अमित शाह ने संभाल ली। ऐसा नहीं कि भाजपा के अध्यक्षों का कार्यकाल सिर्फ 3 साल तक सीमित रहा। अडवानी 6 वर्ष तक अध्यक्ष रहे। फिर दोबारा दो साल के करीब रहे। राजनाथ 2 बार अध्यक्ष रहे और करीब 5 साल काम देखा। लेकिन शाह से पहले तक की भाजपा विचार आधारित, कैडर संचालित व सीमित भौगोलिक प्रभाव वाली थी। मसलन 2013 में भाजपा सिर्फ 5 राज्यों (गठबंधन सहित) तक सीमित थी। 2009 में तो पार्टी का वोट शेयर मात्र 18.6 प्रतिशत तक था और लोकसभा में मात्र 116 सीटें। लेकिन शाह के आने से लेकर नड्डा के दौर की 11 साल की अवधि में भाजपा का स्वरूप पूरी तरह परिवर्तित हो गया। इससे पहले चुनावी गठबंधन सीमित था। आर.एस.एस. कैडर आधारित पार्टी थी। अयोध्या, स्वदेशी व अनुशासन के मुद्दों से आगे नहीं बढ़ी थी। तब की भाजपा और आज की भाजपा को 'शाह' के समय में पूरा बदला गया और इसे आगे बढ़ाया नड्डा ने। लेकिन इस नई भाजपा के शाह व नड्डा के कार्यकाल में भी तुलनात्मक कारगुजारी में अंतर रहा। परंतु पार्टी का अब तक का सबसे शक्तिशाली दौर अमित शाह का रहा। जिसमें पार्टी के चुनावी साम्राज्य में सबसे तेज विस्तार हुआ। भाजपा ने 'शाही धमक' के साथ देश में भगवा फहराया। 2014 के लोकसभा में पार्टी 282 सीटों पर थी, फिर 2019 में 303 सीटों पर आ गई। जबकि एन.डी.ए. सहित 350 क्रास कर गई। यह सामान्य बात नहीं थी। शाह के दौर में भाजपा 2014 में 7 राज्यों से बढ़कर, 2020 में 19 राज्यों तक आ गई। इनमें यू.पी. में (2017 में) अब तक की सबसे बड़ी जीत 312 सीटों के साथ भाजपा आई तो 2016 में असम में पहली बार पार्टी ने सरकार बनाई। फिर 2018 में त्रिपुरा में लेफ्ट की 25 साल पुरानी सरकार हटाई। यह पुरानी भाजपा नहीं कर पाई थी। शाह की अध्यक्षता में भाजपा ने अपनी हारों से बहुत कुछ सीखा और फिर रणनीति बदली। 2015–2020 में दिल्ली हारी, पंजाब हारा, राजस्थान व छत्तीसगढ़ के बड़े झटके भी लगे। लेकिन फिर भाजपा ने राष्ट्रीय व राज्यों के विस्तार की तीव्र गति से रणनीति बदल ली। 2020 में नड्डा के कार्यकाल में कोविड की चुनौतियों के बीच पार्टी की राजनीतिक शक्ति मिश्रित हो गई। खासकर तब जब 2024 में लोकसभा में भाजपा 63 सीटें नीचे आ गई। यहां से पार्टी का पुराना रास्ता निकला गठबंधन का। लोकसभा का गठबंधन, राज्यों पर हावी हो गया। पश्चिम बंगाल, हिमाचल, कर्नाटक व महाराष्ट्र में जटिलताएं पार्टी को देखनी पड़ीं। अब बिहार जैसे राज्य में गठबंधन भले हुआ, पर भाजपा जीत में सबसे ऊपर रही, फिर भी सत्ता में समझौता करना पड़ा है। जे.पी. के समय में पार्टी दक्षिण और पूर्व भारत में अपनी जगह बनाने के लिए नई रणनीति पर काम कर रही है। बंगाल में भाजपा 3 से 77 सीटों तक पहुंची, तेलंगाना में 1 से 8 सीटों तक। नड्डा ने गठबंधन राजनीति को भी नए सिरे से परिभाषित किया। उत्तर में भाजपा अकेले दम पर और दक्षिण में रणनीतिक सहयोग के साथ आगे बढ़ रही है। वर्ष 2025 में भाजपा ने न सिर्फ सामाजिक समीकरणों को फिर से गढ़ा बल्कि महिला वोट, युवा वोट, लाभार्थी आधार और अति–पिछड़ा वर्गों में ऐसी पैठ बनाई, जिसने गठबंधन को अभूतपूर्व सफलता दिलाई। बल्कि यूं कहें कि वोटरों का डिवीजन एक तुरुप का पत्ता साबित हुआ। यह जीत शाह के 'विस्तार–युग' और नड्डा के 'स्थिरता–युग' के एकीकृत मॉडल की परिचायक है। पार्टी के पास लगभग 25 करोड़ मतदाताओं का प्रोफाइलिंग डाटा, 9.7 लाख बूथों पर पन्ना–प्रमुख संरचना और अब लाखों कार्यकर्त्ताओं का माइक्रो–मैनेजमैंट आधारित नैटवर्क आज उसकी रीढ़ है। नई भाजपा की लड़ाई उत्तर भारत में अकेले है और दक्षिण में गठबंधन के जरिए। अब निगाहें पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु व केरल पर टिकी हैं।

वन मैन शो! अक्षय कुमार ने 2025 में 4 लगातार हिट्स के साथ कमाए 500 करोड़ से भी ज्यादा

> २०२५ अक्षय कुमार के लिए अब तक का सबसे सफल साल साबित हुआ है, क्योंकि उन्होंने एक नहीं, दो नहीं, बल्कि लगातार चार हिट फिल्में दी हैं एक ऐसा क्लीन स्वीप जिसने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर लगभग ५९२.७९ करोड़ रुपये की शानदार कमाई की।

2025 अक्षय कुमार के लिए अब तक का सबसे सफल साल साबित हुआ है, क्योंकि उन्होंने एक नहीं, दो नहीं, बल्कि लगातार चार हिट फिल्में दी हैं एक ऐसा क्लीन स्वीप जिसने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर लगभग 592.79 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। इस साल बड़े पैमाने और ध मामाकेदार फिल्मों की भरमार थी, लेकिन अक्षय आए, डिलीवर किया, और फिर साबित किया कि वे क्यों बॉलीवुड के सबसे बहुमुखी और भरोसेमंद सितारों में से एक हैं।

स्काई फोर्स

अक्षय ने साल की शुरुआत स्काई फोर्स से की उ एक एड्रेनालिन से भरी देशभक्ति एक्शन फिल्म जिसने भावनाओं, देशभक्ति और वीरता का बेहतरीन संतुलन दिखाया। देशभक्ति किरदारों में अक्षय की फिटनेस को एक बार फिर सराहा गया, और उनकी दमदार परफॉर्मेंस ने फिल्म की कमाई में भी बड़ा योगदान दिया। भारत में इस फिल्म ने लगभग 155. 18 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।

केसरी चौप्टर 2

अप्रैल में अक्षय कुमार ने केसरी की विरासत को आगे बढ़ाते हुए केसरी चौप्टर 2 लेकर आए। यह फिल्म जलियांवाला बाग की अनकही कहानी को बयान करती है और एक तीव्र ऐतिहासिक कोर्टरूम ड्रामा पेश करती है। फिल्म ने आसानी से 100 करोड़ क्लब में प्रवेश किया और लगभग 111.05 करोड़ रुपये की कमाई की।

हाउसफुल 5

देशभक्ति और कोर्टरूम ड्रामा के बाद अक्षय हंसी और पागलपन लेकर लौटे हाउसफुल 5 के साथ। उन्होंने एक बार फिर अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग, स्लैपस्टिक, सिचुएशनल कन्फ्यूजन और शार्प डायलॉग डिलीवरी से साबित कर दिया कि हाउसफुल फ्रेंचाइज हमेशा से उनका मैदान रहा है। कॉमेडी अक्षय की होम ग्राउंड है, और हाउसफुल 5 की बॉक्स ऑफिस कमाई इसका सबूत है लगभग 191.33 करोड़ रुपये।

जॉली एलएलबी 3

इसके बाद अक्षय कोर्टरूम में लौटे जॉली एलएलबी 3 के साथ। उन्होंने सामाजिक व्यंग्य, हास्य और बुद्धि की लड़ाई से भरपूर मनोरंजन पैक किया, जिसने दर्शकों को खूब हंसाया। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगातार कमाई जारी रखी और लगभग 135.23 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इन सभी फिल्मों को देखते हुए कहा जा सकता है कि अक्षय कुमार ने सच में 2025 को अपने नाम कर लिया न सिर्फ अपनी बहुमुखी अदाकारी से, बल्कि हर नई रिलीज के साथ कुछ अलग करने की हिम्मत दिखाकर!

अहिर कंपनी की कहानी को 120 बहादुर ने दिया सच्चा सम्मान, विरोधियों को देखनी चाहिए फिल्म

एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज की 120 बहादुर अब एक ऐसी फिल्म बनकर सामने आई है, जो अहिर समुदाय के ऐतिहासिक सैन्य योगदान को ताकत और सम्मान के साथ दिखाती है। हम देख रहे हैं कि फिल्म ने दर्शकों के बीच नई बातचीत शुरू कर दी है, खासकर उन लोगों के बीच जिन्होंने पहले इसके प्रतिनिधित्व पर चिंता जताई थी। पूरी कहानी में फिल्ममेकर्स ने अहिर सैनिकों की बहादुरी, अनुशासन और बलिदान को बड़ी ईमानदारी से पिरोया है। हम देखते हैं कि दर्शक और आलोचक दोनों ही इस बात की तारीफ कर रहे हैं कि अहिरों के साहस को सिर्फ दिखाया नहीं गया है, बल्कि अच्छी तरह रिसर्च की गई कहानी, असली बोलचाल और संस्कृति से जुड़ी परफॉर्मेंस के जरिए मनाया गया है। जब पहले विरोध हो रहे थे और सवाल उठ रहे थे कि क्या फिल्म में सही तरह से दिखाया जाएगा या नहीं, अब ऑन–स्क्रीन दिखाई गई तस्वीर लोगों को भरोसा देती दिख रही है। कई लोग अब ये मानते हैं कि जिन्होंने आपत्ति उठाई थी, उन्हें फिल्म दोबारा देखनी चाहिए, इस बार खुले मन से क्योंकि इसमें अहिर समुदाय की पहचान को बहुत सम्मान के साथ दिखाया गया हैरू फर्ज, सम्मान और अटूट बहादुरी। फिल्म 120 बहादुर 1962 के युद्ध में लड़ी गई मशहूर रेजांग ला की लड़ाई में भारतीय सेना की 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 जवानों की अद्भुत वीरता को दिखाती है। फिल्म में फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह भाटी (पीवीसी) की भूमिका निभा रहे हैं, जिन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर हर मुश्किल का सामना किया और भारतीय सेना के इतिहास की सबसे यादगार लड़ाइयों में से एक में बहादुरी की मिसाल पेश की। ऐसे बता दें कि इस फिल्म के दिल में एक दमदार पंक्ति गूंजती हैरू ष्हम पीछे नहीं हटेंगे।ष यह पंक्ति अडिग संकल्प और अटूट देशभक्ति को दर्शाती है। 120 बहादुर का निर्देशन रजनीश रेजी घई ने किया है और इसे रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज) ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

सुपरस्टार धनुष ने दो दीवाने सहर में की पहली झलक देख की तारीफ

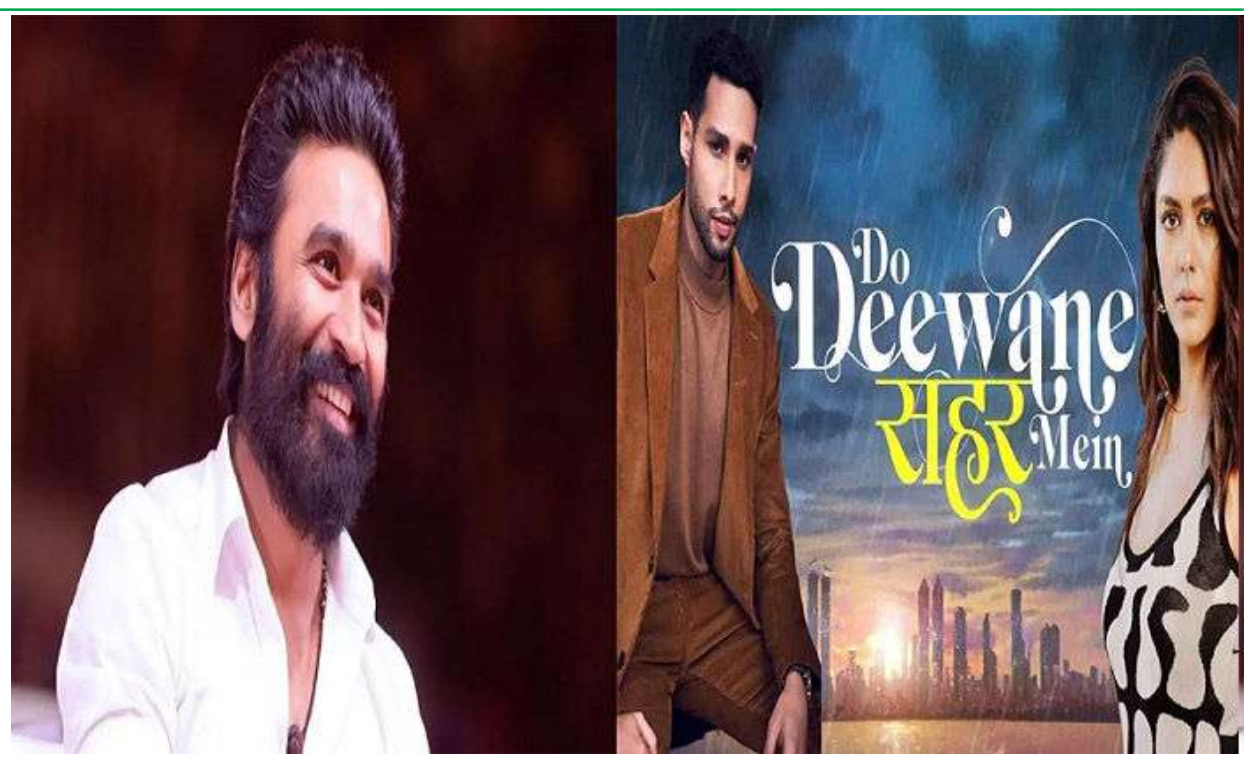

जी स्टूडियोज और भंसाली प्रोडक्शन्स की दो दीवाने सहर में के टाइटल और पोस्टर रिवील ने रोमांस लवर्स को एक शानदार सरप्राइज दिया है, और इसे हर तरफ से बेहतरीन रिस्पॉन्स भी मिल रहा है। ऐसे में अब सुपरस्टार ध नुष भी इस जश्न में जुड़ गए हैं। दो दीवाने सहर में के निर्माताओं ने एक अभिनव, क्लटर–ब्रेकिंग घोषणा बनाई, जिसमें क्रिएटिव एनिमेटेड ट्रीटमेंट, एक स्टाइलिश कास्ट रिवील और भावनात्मक संगीत है, जो इसे अलग बनाता है, और एक आधुनिक प्रेम कहानी वापस लाने का वादा करता है। फिलम को सभी ओर से मिल रहे प्यार और प्रशंसा के बीच, सुपरस्टार धनुष ने भी अपनी प्रतिक्रिया साझा की, इसे लॉक्स एंड साउंड्स गुड कहा। यह वास्तव में इस घोषणा के हाइप के बारे में बहुत कुछ कहता है। वेलेंटाइन वीक के आसपास आ रही, यह फिल्म एक प्यार भरी कहानी के साथ प्यार के मौसम का जश्न मनाएगी, जो एक गर्म आलिंगन की तरह महसूस होती है, सरल, आत्मीय और ताजगी से भरी शुद्ध। जी स्टूडियोज और भंसाली प्रोडक्शंस प्रस्तुत करते हैं दो दीवाने सहर में, जिसमें मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी हैं, रवी उदयवार द्वारा निर्देशित। फिल्म का निर्माण संजय लीला भंसाली, प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार रांगा ने रवी उदयवार फिल्म्स के सहयोग से किया है। दो दीवाने सहर में 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म ट्रेड की नई कसौटी, मस्ती 4 में रूची सिंह की चमक

बॉलीवुड में हर साल कई फिल्में आती हैं, कुछ बड़ी हिट होती हैं, कुछ फ्लॉप। मगर कुछेक फिल्में ऐसी होती हैं जो बॉक्स ऑफिस का इतिहास नहीं, बल्कि भविष्य का इतिहास लिख जाती हैं। मिलाप झवेरी के निर्देशन में बनी, दिग्गज अभिनेताओं से भरी मस्ती 4 डेंजपपप 4 शायद इस साल की सबसे बड़ी कॉमेडी हिट न बने, और न ही इसे सिनेमाई उत्कृष्टता के लिए याद रखा जाएगा। लेकिन एक बात निश्चित हैरू यह फिल्म हमें एक सितारा दे गई है। रूही सिंह त्नीपैपदही जहां फिल्म की कहानी और पटकथा को लेकर दर्शकों की राय बंटी हुई है, वहीं रूही की स्क्रीन प्रेजेंस और कॉमिक टाइमिंग ने हर किसी को चौंकाया है। एक फ्रैंचाइज, जो पहले से ही स्थापित अभिनेताओं के कंधों पर टिकी थी, रूही ने वहाँ अपनी जगह बनाई और अपने हर सीन को पूरी कमांड के साथ निभाया। यह उनका ब्रेकआउट मोमेंट है, जिसने साबित कर दिया कि वह सिर्फ 'ग्लैमर' नहीं, बल्कि अभिनय की गहरी खान हैं। किसी कलाकार की प्रतिभा पर उद्योग में सबसे बड़ी मुहर लगती है, जब उसे किसी बड़े निर्देशक का समर्थन मिलता है। रूही को निर्देशक अनुराग कश्यप का समर्थन मिला है। कश्यप, जो खुद एक संस्थान हैं, वह हमेशा उस मिट्टी को पहचानते हैं जिससे भविष्य के महान कलाकार निकलते हैं। उनका ट्रैक रिकॉर्ड किसी भविष्यवाणी से कम नहीं है। गौर करने वाली बात है कि एक समय था जब कश्यप ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी पर अपना दांव लगाया था, जब नवाज सिर्फ एक साइड आर्टिस्ट थे। उन्होंने मनोज बाजपेयी को उनके सबसे शानदार किरदारों में गढ़ा। उन्होंने राजकुमार राव को पहचान दी और विनीत सिंह को मुक्काबाज में चमकाया। ये सभी वो कलाकार हैं जो आज अपने काम के महारथी हैं, और उनके करियर को हमेशा अनुराग कश्यप के पसंदीदा होने का फायदा मिला। कश्यप ने रूही को भी एक शानदार और मेहनती अभिनेत्री कहा था, जब वह ओटीटी पर रनअवे लुगाई जैसी गंभीर भूमिकाओं में थीं। अब, मस्ती 4 के साथ, यह बात पत्थर की लकीर बन गई हैरू कश्यप की पारखी नजर एक बार फिर सही साबित हुई है। रूही सिंह का सफर एक दिलचस्प मोड़ पर है। उन्होंने कैलेंडर गर्ल्स के साथ ग्लैमरस शुरुआत कीकृयह उनका पहचान का शुरुआती मोमेंट था। लेकिन उनका ओटीटी काम (जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर ओटीटी नॉमिनेशन भी मिला) उनकी अभिनय क्षमता का प्रमाण है। ठीक उसी तरह, जैसे नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने शुरुआती दौर में कमर्शियल सिनेमा में छोटी भूमिकाएं करते हुए अपनी जगह बनाई, रूही ने एक बड़े, व्यावसायिक फ्रैंचाइज को चुना। यह कदम उन्हें सिर्फ ग्लैमरस स्टार से एक्टर–स्टार की श्रेणी में ले जाता है। उन्होंने साबित किया है कि वह बिकिनी अपील और जबरदस्त कॉमेडी, दोनों को एक साथ निभा सकती हैं। अब समय आ गया है कि रूही सिंह को श्एक्टिंगश के लिए जाना जाए, न कि सिर्फ स्क्रीन प्रेजेंस के लिए। रूही सिंह ने अपना काम कर दिया है। उन्होंने थियेट्रिकल सर्किट में खुद को न सिर्फ स्थापित किया है, बल्कि अपनी अभिनय क्षमता का प्रमाण भी दिया है। बॉलीवुड के बड़े निर्देशकों और स्टूडियोज को अब यह समझना चाहिए कि उनके हाथ में एक ऐसा हाइब्रिड टैलेंट है, जिसे सिर्फ कॉमेडी या ग्लैमर तक सीमित नहीं किया जा सकता। रूही को रनअवे लुगाई की तरह जटिल, गहरी और सशक्त स्क्रिप्ट की जरूरत है। उन्हें वो फिल्में चाहिए जो उनकी रेंज को चुनौती दें। एक एक्टर–स्टार को गढ़ने के लिए जरूरी है कि इंडस्ट्री उसे सही मौके दे। अगर बॉलीवुड ने देर की, तो यह एक और असाध ारण प्रतिभा को गंवाने जैसा होगा। रूही सिंह ने स्टारडम के दरवाजे पर दस्तक दे दी है, अब इंडस्ट्री के बड़े बैनर के साथ बेहतर स्क्रिप्ट वाले प्रोजेक्ट में उन्हें काम मिलने की संभावना है।

सिनेमा मेरा पहला प्यार, अब फिल्म निर्माण का सपना हो रहा है पूरा : मनीष मल्होत्रा

जाने–माने फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने कहा कि सिनेमा हमेशा से उनका पहला प्यार रहा है, इसी ने उन्हें कॉस्ट्यूम डिजाइनर बनने की प्रेरणा दी और अब फिल्म निर्माता बनने के लिए प्रेरित किया है। मल्होत्रा फिल्म निर्माता के तौर पर अपनी पहली फिल्म "गुस्ताख इश्कः कुछ पहले जैसा" की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माण में कदम रखना उस सपने के सच होने जैसा है, जिसे उन्होंने केवल छह साल की उम्र में फिल्मों से प्यार करते हुए देखा था। मल्होत्रा ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, "मैं ऐसा बच्चा था जिसे बचपन से ही फिल्मों से प्यार था। छह साल की उम्र से ही मुझे फिल्में बहुत पसंद थीं। पढ़ाई से ज्यादा मेरा झुकाव फिल्मों की ओर था। मैं अपनी मां का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे कभी रोका नहीं। मैं ढेरों फिल्में देखता था–उनके गाने, परिधान और जीवनशैली, सब मुझे बहुत आकर्षित करते थे।" उन्होंने याद किया, "जब मैंने 'नसीब' फिल्म देखी तो थिएटर में बैठकर सोच रहा था–क्या मैं कभी ऐसी पार्टी में जा पाऊंगा? इस फिल्म में अमिताभ बच्चन 'जॉन जानी जनार्दन' गाना गाते हैं। जब 1981 में मैंने यश चोपड़ा की 'सिलसिला' देखी, तो फिल्म की हर छोटी–छोटी बात पर ध्यान दिया। वहीं से कपड़ों के प्रति प्यार बढ़ा और मैं कॉस्ट्यूम डिजाइन के क्षेत्र में आना चाहता था।" मल्होत्रा ने 1990 के शुरुआती दशक में कॉस्ट्यूम डिजाइनर के रूप में अपना करियर शुरू किया। वह जल्दी ही बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा स्टाइलिस्ट बन गए। उन्हें 'रंगीला', 'दिल तो पागल है', 'कुछ कुछ होता है' और 'कभी खुशी कभी ग़म' जैसी फिल्मों के जरिए परदे पर फैशन को नया अंदाज देने के लिए खूब तारीफ मिली।

माइक्रोवेव को साफ करने का सबसे बेस्ट तरीका ये रहा, जिद्दी दाग के साथ बदबू भी होगी दूर

हर भारतीय किचन में माइक्रोवेव का प्रयोग बहुत किया जाता है। कुकिंग से लेकर बचे हुए खाने को दोबारा गर्म करने में कई बार माइक्रोवेव का इस्तेमाल होता है। जिस कारण बहुत तेजी से इसमें जिद्दी दाग, बदबू और चिकनाहट पैदा हो जाती है। जिसे साफ करना महिलाओं के लिए थोड़ा मुश्किल हो जाता है। ऐसे

में आप इसे साफ करने के लिए कुछ ट्रिक्स को अपना सकती है। तो चलिए जानते है उसके बारे में।

सोडा और पानी

पानी और बेकिंग सोडा सबसे पहले तो एक साथ मिक्स करें। जिसमें सोड़े की मात्रा ज्यादा होनी चाहिए। एकदम गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। अब जहां–जहां दाल, सब्जी चिपका हुआ है वहां–वहां इसे लगाकर 5–10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद पहले गीले कपड़े से फिर साफ कपड़े से पोंछ लें। सारे जिद्दी दाग आसानी से निकल जाएंगे।

विनेगर

माइक्रोवेव को साफ करने के लिए आप सिरका और पानी की मदद ले सकते हैं। इसके लिए एक स्प्रे बोतल में इनका घोल डालें और माइक्रोवेव में अंदर स्प्रे कर लें। इसके बाद इसे करीब 4 मिनट के लिए चलाकर वाइप करें। ऐसा करने से माइक्रोवेव साफ हो जाएगा।

नींबू

माइक्रोवेव को साफ करने के लिए सबसे पहले नींबू के दो टुकड़े कर लें। इसके बाद माइक्रोवेव प्लेट पर नींबू को उल्टा करके रखें। अब इस प्लेट पर साथ–साथ 1 चम्मच पानी भी डाल दें और माइक्रोवेव को 1 मिनट के लिए चला दें। एक मिनट बाद जब माइक्रोवेव बंद हो जाए तो साफ कपड़े से पोछ लें।

पेपर टॉवल

इसके लिए आप 3 से 4 पेपर टॉवल को हल्का गीला करें और इसे माइक्रोवेव में रखें। अब माइक्रोवेव ऑन कर दें और करीब 3 से 5 मिनट तक हाई हीट पर चलाएं। ऐसा करने से माइक्रोवेव के अंदर लगा दाग आदि साफ हो जाएगा।

नहाने के बाद कभी न रखे बाथरूम में खाली बाल्टी, वरना जेब में नहीं बचेगी एक भी फूटी कोड़ी

वास्तु शास्त्र का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। इसका प्रभाव न केवल मन और मानव शरीर पर पड़ता है बल्कि घर में रखी हर एक चीज पर भी पड़ता है। दरअसल वास्तु में ऐसे नियम बताए गए हैं जिनको अपनाकर व्यक्ति अपना जीवन सुखी, सरल और संपन्न बना सकता है। लेकिन वास्तु का पालन न करने वाले

लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आपको बता दें घर के कमरे से लेकर किचन व बाथरूम तक हर एक चीज में वास्तु का विशेष संबंध है। ऐसे ही बाथरूम में रखी बाल्टी भी यदि सही तरीके से न रखी गई हो तो यह दुख का कारण बन सकता है। तो चलिए जानते है बाथरूम में रखी बाल्टी से जुड़े वास्तु के नियम के बारे में।

न रखें खाली बाल्टी

घर में कई बार हम नहाने या कपड़े धोने के बाद बाल्टी खाली करके बाथरूम में रख देते हैं जिसे वास्तु में अशुभ माना जाता है। वास्तु का कहना है कि अगर आप बाथरूम में बाल्टी खाली रखते है तो ऐसा करने से घर में पैसों की तंगी होने लगती हैं व व्यक्ति आर्थिक परेशानियों से भी जूझने लगता है इसलिए हमेशा नहाने व कपड़े धोने के बाद बाल्टी को साफ करके पानी से भरकर रखना चाहिए। इससे आपके जीवन में धन की कभी कमी नहीं होगी।

इस रंग की बाल्टी न रखें

वहीं दूसरी ओर वास्तु में यह मानयता है कि बाथरूम में कभी भी काले रंग की बाल्टी नहीं रखनी चाहिए। काली बाल्टी घर में कष्टों का कारण बन सकती हैं। वास्तु के मुताबिक नीला रंग शनि और राहु के अशुभ प्रभाव को कम करता है। इसलिए बाथरूम में नीले रंग की बाल्टी रखनी चाहिए। उनका कहना है कि नीले रंग की बाल्टी बाथरूम में रखना शुभ माना जाता है। इसके अलावा बाथरूम में नीले रंग की टाइल्स ही लगवानी चाहिए।

बच्चों के लिए बनाएं हेल्दी और यमी पनीर रोल, टिफिन के लिए है एकदम परफेक्ट रेसिपी

पनीर रोल एक ऐसी फूड डिश है जिसे बच्चे बड़े चाव से खाते है। ये खाने में जितनी टेस्टी लगती है इसे बनाना उतना ही आसान है। सुबह का वक्त सभी के लिए काफी व्यस्तता से भरा होता है, ऐसे में कई बार ऐसी नौबत भी आ जाती है जब ब्रेकफास्ट बनाने के लिए ज्यादा वक्त नहीं बचता। ऐसी सूरत में पनीर रोल बनाना बेस्ट ऑप्शन है तो चलिए जानते है इसे बनाने की रेसिपी।

सामग्री

गेंहू का आटा – 3 कप
पनीर – 200 ग्राम (टुकड़ों में कटे हुए)
शिमला मिर्च – 1 (टुकड़ों में कटी हुई)
प्याज – 1 (बारीक कटा हुआ)
टमाटर – 1
मटर –आधा कप
जीरा – आधा चम्मच
नमक –स्वादानुसार
तेल – आवश्यकतानुसार
हल्दी – आधा चम्मच
केचप– स्वादानुसार
चिली सॉस –स्वादानुसार
धनिया पत्ते –मुट्ठीभर
गरम मसाला –आधा चम्मच
खीरे और प्याज के टुकड़े– पतले कटे हुए

बनाने की विधि

1 पनीर रोल बनाने के लिए सबसे पहले गेहूं के आटे को अच्छे से गूंथ लें।

2 फिर कड़ाही में 2 चम्मच तेल डालें और तेल गर्म होने के बाद उसमें जीरा डालें।

3 अब उसमें टमाटर और प्याज डालकर थोड़ी देर भून लें।

4 इस मिश्रण में फिर सब्जियां, गरम मसाला, हल्दी के साथ नमक डालें और ढककर थोड़ी देर पकाएं।

5 इसके बाद इसमें पनीर के टुकड़ों को मिलाएं और बीच–बीच में कड़छी चलाते रहें।

6 अब गैस बंद करके ऊपर से धनिया पत्ता डालकर एक बार फिर मिलाएं।

7 इसके बाद गूंथे हुए आटे की रोटी बना लें।

8 इसमें केचप और टोमेटो सॉस लगा लें और पनीर के मिश्रण को डाल दें।

9 इसके ऊपर फिर खीरा डालकर रोटी रोल कर लें।

10 लीजिए तैयार है आपकी पनीर रोल की रेसिपी।

पति–पत्नी में होती है रोज लड़ाई, तो ये उपाय दूर करेंगे आपकी हर समस्या

शादी के बाद हर लड़का और लड़की की जिंदगी बदल जाती है। इस रिश्ते में कभी एक पल प्यार तो कभी एक पल में तकरार होने लगती है। आपने कई लोगों के मुंह से एक बात जरूर सुनी होगी कि श्शादी का लड्डू जो खाए सो पछताए, जो ना खाए वो भी पछताएश। लेकिन कभी–कभी किन्ही कारणों से शादीशुदा जिंदगी में मधुरता खत्म होने लगती है। ऐसी स्थिति में सेपरेशन का खतरा बढ़ जाता है। इसके लिए समय से पूर्व ही उपाय करना फायदेमंद होता है। वास्तु शास्त्र में पति–पत्नी के रिश्ते को मधुर बनाने के लिए कई उपाय बताए गए हैं। इन उपायों को करने से रिश्ते मधुर हो जाते हैं। तो चलिए जानते है उनके बारे में।

इन आसान उपायों से रिश्ते करें मधुर

1 पति–पत्नी में हमेशा खटपट रहती है तो आपको महादेव और माता पार्वती की नियमित रूप से पूजा करनी चाहिए। ध्यान रहे पूजा के समय घी का दीपक जलाकर अपने रिश्ते को मधुर बनाने की भगवान से कामना करें। ऐसा करने से आपस में जो झगड़े होते है वो दूर हो जाएगे। कोशिश करें की शिव चालीसा का पाठ जरुर पढ़ें।

2 अपने रिश्ते को ठीक करने के लिए शुक्रवार के दिन मंदिर जाकर मां लक्ष्मी को गुलाब का फूल और श्रृंगार का सामान अर्पित करें। इसके साथ मां को सफेद रंग की मिठाई भी भेंट करें। ऐसा करने से आपके रिश्ते मधुर हो जाएगे। क्योंकि शुक्रवार का दिन मां

दुर्गा और लक्ष्मी को समर्पित होता है। इस लिए सच्चे मन से मंदिर जाकर यह उपाय करने से आपको सफलता जरूर हासिल होगी।

3 तीसरे उपाय में आप रिश्ते को मजबूत करने के लिए गुरुवार के दिन हल्दी की गाठों को पीले रंग के कपड़े में बांध दें। इसके पश्चात हाथ में रख श्ऊं नमो भगवते वासुदेवाय नमःश मंत्र का जाप करें। अब हल्दी भगवान विष्णु को अर्पित कर दें। ऐसा करने से आपके रिश्ते में जो बिना वजह के खटपट होती है वह दूर हो जाएगी।

सोते समय जरुर रखें सिरहाने पर कपूर

4 अगर पति–पत्नी के बीच लंबे समय से अनबन है, तो रोजाना रात में सोते समय सिरहाने पर कपूर रखें। आप चाहे तो तकिए के नीचे भी कपूर रख सकते हैं। अगली सुबह कपूर को जला दें। इस उपाय को करने से रिश्ते मधुर होते हैं।

5 ध्यान रहे विवाहित महिलाओं को वायव्य कोण में नहीं सोना चाहिए। इस दिशा में सोने से वैवाहिक जीवन में परेशानी आती है। साथ ही धन के देवता कुबेर भी अप्रसन्न हो जाते हैं।

6 वास्तु का कहना है कि तो बेड पर पति को दाएं तरफ और पत्नी को बाएं तरफ सोना चाहिए। इससे रिश्ते मधुर रहते हैं।

बच्चा बनेगा बेहतर और सफल इंसान, बस पेरेंट्स अपनाएं ये गोल्डन रूल्स

बच्चों को बेहतर इंसान बनाने के लिए पेरेंट्स को बच्चों पर विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत होती है। जिससे आपके बच्चे सामाजिक रूप में ढल सकें और एक बेहतर इंसान बनकर निकलें। इसलिए आज हम आपके लिए ऐसे गोल्डन रूल्स और टिप्स लेकर आए है। जिनकी मदद से आप बच्चों को एक बेहतर और सफल इंसान बना सकते हैं। इन टिप्स को अपनाने के बाद ना तो आपके बच्चे बात–बात में जिद करेंगे और ना ही ऐसा होगा कि वो आपकी बात ना सुनें।

बच्चों को चीजों की वैल्यू समझाएं

बच्चों को सुख सुविधाएं देना हर माता पिता की जिम्मेदारी होती है लेकिन आप इसे थोड़ा लिमिट में करें। क्योंकि अगर आप बच्चों की हर इच्छा पूरी कर देते है। उसे बोलेने के पहले ही चीज या कोई वास्तु लाकर दे देते है। ऐसा करने से बच्चा बिगगड़ जाता है। मान लीजिए आपका बच्चा नौकी क्लास में पड़ता है। दूसरे बच्चों को देखकर उसने आपसे आईफोन की मांग की है। अगर आप उसकी यह मांग पूरी कर देते है। तो यह ठीक नहीं है। यह आपका बच्चे के प्रति प्यार नहीं फैशन और स्टेटस सिंबल है। इससे बच्चे चीजों की वैल्यू करना बंद कर देंगें, वो मेहनत से दूर भागेंगे क्योंकि आपने उनके लिए एक शॉर्टकट पहले से ही तैयार कर रखा है। सोचिए अगर आप अपने बच्चों को महंगे फोन अभी से देने लगे तो वो पहली सैलरी की वैल्यू कभी समझ ही नहीं पाएंगे। कई मामलों में ऐसे बच्चे मेहनती नहीं बन पाते और ये हमेशा याद रखिए कि अगर बच्चा मेहनत से दूर भागेगा तो आपका बच्चा सफल नहीं बन पाएगा।

बच्चों से हरअपडेट लें

जब भी आप काम से घर आते है थोड़ी रेस्ट करने के बाद एक घंटा अपने बच्चों के साथ बिताएं। उनके साथ मिल्क शेक, मैंगो शेक या बनाना शेक का एक–एक गिलास लेकर कहीं शांति की जगह पर बैठ जाएं। फिर उनसे माता–पिता जैसे नहीं बल्कि एक दोस्त जैसे बात करें। उनसे पूछें कि उनकी क्लास में क्या चल रहा है, उनकी पढ़ाई में उन्हें कोई दिक्कत तो नहीं। उन्हें भरोसा दिलाएं कि आप उनके साथ उनकी परेशानी हल करने के लिए बैठे हैं ना कि उन्हें डांटने या जासूसी करने के लिए। अगर शुरुआत में बच्चा आपको कुछ भी बताने में झिझक रहा है तो उससे जिद ना करें। उस बात को वहीं छोड़ दें और अपनी बातें बच्चे से शेयर करें। ऐसा करने से बच्चे धीरे–धीरे आपको दोस्त मानने लगेंगे और आपके अपने दिल की बात कहेंगे।

गलतियों का एहसास कराएं

बच्चों की गलतियों को बच्चा समझ कभी न टाले, ऐसा करने से उन्हें और बढ़ावा मिलेगा। अगर बच्चा गाली सीख रहा है और उसे रिपीट भी कर रहा है तो उसे फौरन टोकिए और टोकने का तरीका ऐसा रखें कि बच्चे को बेईज्जती जैसा महसूस ना हो। अगर बच्चा पब्लिक प्लेस में ऐसा कर रहा है तो उसे घर आकर समझाइए और अगर घर पर ऐसा कर रहा है तो किसी एकांत सी जगह पर ले जाकर उसे इस गलती के बारे में बताइए।

अपनी सेहत का ख्याल रखें

माता–पिता बच्चों के चक्कर में अपना अच्छे से ख्याल रखना भूल जाते है। अगर आपकी सेहत ठीक नहीं रहेगी तो इससे बच्चे की परवरिश पर भी असर पड़ेगा। सेहत का ठीक ना होना कहीं ना कहीं चिड़चिड़ेपन और उलझन को जन्म देता है। इससे आपके अंदर गुस्सा भी जन्म ले सकता है जिसका सबसे ज्यादा असर बच्चे पर पड़ सकता है।

संक्षिप्त

दक्षिण अफ्रीका को चालू हालत के डीजल लोकोमोटिव का निर्यात

रेल मंत्रालय के तहत आने वाली कंपनी राइट्स लिमिटेड पहली बार चालू हालत के डीजल लोकोमोटिव का निर्यात करेगी। पहली खेप दक्षिण अफ्रीका जाएगी। राइट्स के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक राहुल मिथल ने बताया कि भारतीय रेल अब लगभग पूरी तरह विद्युतीकृत हो चुकी है। इसलिए 15 साल से अधिक शेष आयु वाले चालू हालत के डीजल लोकोमोटिव को विदेश निर्यात करने का फैसला किया गया है। कंपनी ने दक्षिण अफ्रीका से 18 चालू हालत के डीजल लोकोमोटिव के निर्यात का ऑर्डर हासिल किया है। इनमें दक्षिण अफ्रीकी रेलवे की जरूरतों के अनुसार बदलाव किए जा रहे हैं। अब तक राइट्स केवल नई लोकोमोटिव ही निर्यात करती रही है, लेकिन चालू हालत के लोकोमोटिव का निर्यात पहली बार हो रहा है। दक्षिण अफ्रीका में केप गेज (1,067 मिमी) और भारत में ब्रॉड गेज (1,676 मिमी) होने के बावजूद जरूरी तकनीकी संशोधनों के बाद ये लोकोमोटिव पूरी तरह उपयुक्त हो जाएंगे। राहुल मिथल ने कहा, वित्त वर्ष 2025–26 की चौथी तिमाही तक पहली चालू हालत की संशोधित डीजल लोकोमोटिव की आपूर्ति कर दी जाएगी। हमें उम्मीद है कि गुणवत्ता देखकर दक्षिण अफ्रीका के पड़ोसी देशों से भी ऐसे ऑर्डर मिलेंगे।

रुपया अपने रिकॉर्ड निचले स्तर से उबरा, 49 पैसे चढ़कर 89.17 प्रति डॉलर पर

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच रुपया अपने रिकॉर्ड निचले स्तर से उबरकर सोमवार को शुरुआती कारोबार में 49 पैसे की बढ़त के साथ 89.17 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया, डॉलर के मुकाबले 89.46 पर खुला। फिर 89.17 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 49 पैसे की बढ़त के दर्शाता है। स्थानीय एवं वैश्विक शेयर बाजारों में व्यापक बिकवाली दबाव और व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं के बीच घरेलू विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर की भारी मांग के कारण शुक्रवार को रुपया 98 पैसे टूटकर अपने सर्वकालिक निचले स्तर 89.66 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 100.18 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 218.44 अंक चढ़कर 85,450.36 अंक पर और निफ्टी 69.4 अंक की बढ़त के साथ 26,137.55 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62.50 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,766.05 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

कृषि मशीनरी के सहयोग से पराली जलाने की घटनाओं में कमी, बोले कृषि सचिव

नई दिल्ली। कृषि मशीनरी के लिए सरकारी समर्थन और अन्य उपायों के कारण इस साल दिल्ली–एनसीआर, पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में कमी आई है। कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी ने सोमवार को यह बयान दिया। चतुर्वेदी ने एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं को बताया कि सरकार ने किसानों को इस समस्या से निपटने के लिए प्रासंगिक उपकरण और आवश्यक उपाय उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से... मशीनरी उपलब्ध कराने और स्थानीय एवं बाहरी उपायों की नीति के कारण दिल्ली, एनसीआर, पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में कमी आई है। उन्होंने कहा कि पिछले दस दिनों में पराली जलाने की कोई घटना नहीं हुई है। उत्तर भारत में किसानों द्वारा कटाई के बाद पराली जलाना सर्दियों के महीनों के दौरान दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में गंभीर वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण रहा है। प्रदूषण के अन्य स्रोतों के बारे में पूछे जाने पर चतुर्वेदी ने कहा कि अन्य मंत्रालय इस पर टिप्पणी करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। उन्होंने कहा, यदि प्रदूषण के अन्य कारण हैं तो अन्य मंत्रालयों को इस बारे में बताना बेहतर होगा।

आरबीआई पर बढ़ा दबाव! रुपये के 89 पार जाने पर विशेषज्ञों की गहरी चिंता

सुबह बाज़ार खुलते ही निवेशकों के बीच चिंता बढ़ाने वाला रहा. मौजूद जानकारी के अनुसार भारतीय शेयर बाज़ार अभी भी रिकॉर्ड स्तरों के आसपास बने हुए हैं, लेकिन रुपये की तेज़ गिरावट और अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में बढ़ी हलचल ने माहौल को अस्थिर कर दिया है. बता दें कि वैश्विक स्तर पर एआई सेक्टर की तेजी से शुरू हुई ट्रेडिंग गुरुवार को अचानक मंदी में बदल गई, जिसका सीधा असर एशियाई बाज़ारों पर भी दिखा है. मार्केट विशेषज्ञ अजय बग्गा के अनुसार रुपये का 89 के स्तर से नीचे जाना बहुत अहम संकेत है, क्योंकि यह एक मनोवैज्ञानिक स्तर माना जाता रहा है और सामान्य तौर पर उम्मीद रहती है कि आरबीआई इस स्तर पर हस्तक्षेप करेगा. गौरतलब है कि रुपये की यह गिरावट एफपीआई की भारी बिकवाली या जापान में बढ़ती मुद्रास्फीति के चलते कैरी ट्रेड के अनवाइंड होने से जुड़ी हो सकती है. विशेषज्ञों का कहना है कि अगर जापान दिसंबर में दरें बढ़ाता है तो कई विदेशी निवेशक अपनी पोज़िशन बदल सकते हैं, जिसका असर भारत जैसे उभरते बाज़ारों पर पड़ता है. कमज़ोर रुपये के साथ–साथ एफपीआई टैक्सेशन और अस्थिर वैश्विक हालात विदेशी निवेशकों की दिलचस्पी कम कर रहे हैं. बग्गा का मानना है कि रुपये की इस तेज गिरावट के बाद अब दिसंबर में आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना बेहद कम हो गई है, क्योंकि ऐसा करना रुपये पर और दबाव डाल सकता है. उन्होंने यह भी चेताया कि अगर मुद्रा कमजोर रहती है तो आयातित महंगाई बढ़ सकती है, जिसका सीधा असर आम उपभोक्ताओं तक पहुंचता है. इसके बीच अमेरिकादृभारत व्यापार समझौते पर सभी की नज़रें हैं. बग्गा का कहना है कि अगर दोनों देशों के बीच अटके मुद्दों पर सहमति बन जाती है तो भारतीय बाज़ारों में जोरदार रैली देखने को मिल सकती है. बता दें कि भारत ने रूसी तेल खरीद में कटौती की, फिर भी उसे 25% शुल्क का सामना करना पड़ रहा है, जिससे निर्यातकों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा है।

16 महीनों की चुप्पी के बाद, ऋतुराज ने रनों से दिया जवाब

मुंबई। किस्मत कभी–कभी इंतजार करवाती है, लेकिन मेहनत और निरंतर प्रदर्शन के सामने देर ज्यादा टिक नहीं पाती। ऋतुराज गायकवाड़ इसका जीता–जागता उदाहरण हैं। 16 महीनों के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार उन्हें टीम इंडिया में दोबारा जगह मिल गई है। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में भारतीय टीम में शामिल किए गए हैं। ऋतुराज की वापसी किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि लगातार प्रदर्शन और धैर्य का नतीजा है। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका–ए के खिलाफ उन्होंने तीन पारियों में 201 रन ठोके और अपनी दमदार फॉर्म का मजबूत सबूत दिया। इससे पहले घरेलू क्रिकेट में भी वह रनों की मशीन बने हुए थे। आठ पारियों में 514 रन, औसत 85.66, जो किसी भी चयनकर्ता को सोचने पर मजबूर कर दे।

छूटते–छूटते मिला मौका

ऋतुराज पिछली बार भारत की ओर से जिम्बाब्वे दौरे 2024 में खेले थे, लेकिन उसके बाद उन्हें लगातार बाहर बैठना पड़ा। वह एक टी20 सीरीज थी। वहीं, उनका पिछला वनडे मैच 2023 में दिसंबर में आया था, जब वह दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टीम इंडिया के साथ गए थे। चयनकर्ताओं की निगाहें अन्य खिलाड़ियों पर रही, जबकि उनके नाम के आगे प्रदर्शन के आंकड़े लगातार चमक रहे थे।

ऋतुराज ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दलीप ट्रॉफी में 232 रन, रणजी ट्रॉफी में 330 रन बनाए, लेकिन फिर भी दरवाजा नहीं खुला। खासकर टी20 प्रारूप में माना जा रहा था कि वह टीम इंडिया की नई आक्रामक रणनीति में पूरी तरह फिट नहीं बैठते। हालांकि, उनका टी20 इंटरनेशनल रिकॉर्ड और भी शानदार है। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 39. 56 की औसत और 143.53 के स्ट्राइक रेट से 633 रन बना चुके हैं। वह उन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में शतक जड़े हैं। ऋतुराज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाया था। इसके अलावा उनके नाम चार अर्धशतक भी हैं। इसके बावजूद उन्हें लगातार नजरअंदाज किया गया।

गिल की चोट, ऋतुराज का अवसर

शुभमन गिल की गर्दन की चोट ने ऋतुराज के लिए यह दरवाजा खोला है। अब यह उनके लिए सिर्फ वापसी नहीं, बल्कि अपना स्थान साबित करने का निर्णायक मौका है। वनडे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके आंकड़े अभी तक औसत रहे हैं। छह मैचों में केवल 115 रन बना सके हैं, लेकिन मोहोली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 71 रन की पारी ने उनकी क्षमता को दर्शाया था।

किस्मत बदलने वाला मोड़?

ऋतुराज की कहानी प्रेरणा देती है। उन्होंने टीम के लिए एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीताने में कप्तानी की, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में 223 रन बनाए और चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल में पिछले दो सीजन में 590 और 583 रन ठोके। अब मंच तैयार है। गिल की गैरमौजूदगी, शानदार फॉर्म और चयनकर्ताओं की उम्मीद, सब कुछ एक जगह आ चुका है। अगर वह इस फॉर्म को वनडे में बदल पाए, तो यह वापसी उनके करियर का वह मोड़ हो सकती है जिसका वह इतने समय से इंतजार कर रहे थे।

मार्को जानसन के 6 विकेटों ने ढाया कहर: भारतीय टीम 201 रनों पर सिमटी

दक्षिण अफ्रीका की 314 रनों की बढ़त

गुवाहाटी, एजेंसी। गुवाहाटी में चल रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ने भारत को सिर्फ़ 201 रनों पर आउट कर 288 रनों की विशाल बढ़त हासिल कर ली। मेहमान टीम की पहली पारी में शानदार प्रदर्शन करने वाले मार्को जेनसन ने 48 रन देकर 6 विकेट लिए, जिससे भारतीय बल्लेबाजी क्रम लड़खड़ा गया। भारतीय टीम को कमज़ोर स्कोर पर आउट करने के बाद, दक्षिण अफ्रीका ने फिर से बल्लेबाजी की और तीसरे दिन का खेल आठ ओवर में 26/0 पर समाप्त हुआ। सलामी बल्लेबाज़ एडेन मार्करम (12′) और रयान रिकेल्टन (13′) नाबाद क्रीज़ पर थे और दक्षिण अफ्रीका 314 रनों की बढ़त के साथ आगे था। भारत ने लंच के बाद के सत्र में 174/7 के स्कोर से शुरुआत की, जिसमें वाशिंगटन सुंदर (33′) और कुलदीप यादव (14′) नाबाद रहे और भारत 315 रनों से पीछे था। वाशिंगटन और कुलदीप ने सतर्कता से खेलते हुए बीच–बीच में चौके भी लगाए। हालांकि, प्रोटियाज़ स्पिनर साइमन हार्मर ने दिन का अपना तीसरा विकेट हासिल किया और वाशिंगटन को आउट कर दिया, जिससे भारत की विरोधी टीम की बढ़त को और कम करने की उम्मीदों पर पानी फिर गया। हार्मर की आउटसाइड ऑफ स्टंप गेंद पर वाशिंगटन ने पहली स्लिप में खड़े एडेन मार्करम को कैच थमा दिया। वाशिंगटन ने 92 गेंदों पर 48 रन बनाने के बाद अपना विकेट गंवा दिया, जिससे भारत का स्कोर 194/8 हो गया।

जसप्रीत बुमराह के रूप में नए बल्लेबाज़ कुलदीप के साथ क्रीज़ पर थे, और जैनसन, जो पहले ही चार विकेट ले चुके थे, दूसरे छोर से भारतीय पुछल्ले बल्लेबाज़ों को लगातार परेशान कर रहे थे। दक्षिण अफ़्रीकी गेंदबाज़ों ने 81वें ओवर में दूसरी नई गेंद ली और कुछ ही देर में कुलदीप भी आउट हो गए। 82वें ओवर में जैनसन ने अपना विकेट गंवा दिया और भारत का स्कोर 194/9 हो गया। कुलदीप ने 134 गेंदों पर 19 रन की ज़बरदस्त पारी खेलने के बाद शॉर्ट–लेंथ गेंद पर दूसरी स्लिप में मार्करम को कैच थमा दिया। कुलदीप के विकेट के साथ ही जैनसन ने पाँच विकेट पूरे कर लिए। मोहम्मद सिराज और बुमराह के क्रीज़ पर रहते हुए, भारत ने सात रन और जोड़े, इससे पहले जैनसन ने बुमराह का भी विकेट लिया, जिससे पारी में उनके विकेटों की संख्या छह हो गई। इससे पहले, भारत ने दूसरे सत्र की शुरुआत 102/4 से की, जिसमें कप्तान ऋषभ पंत (6′) और रवींद्र जडेजा (0′) नाबाद थे। मेजबान टीम का बल्लेबाजी में संदिग्ध रवैया जारी रहा, क्योंकि कप्तान पंत ने एक जोरदार शॉट खेला, लेकिन गेंद दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर काइल वेरिन के हाथों में चली गई।

पंत भारत के स्कोर में सिर्फ़ सात रन ही जोड़ पाए और भारत ने 37.2 ओवर में 109 रन पर अपनी आधी टीम गंवा दी।

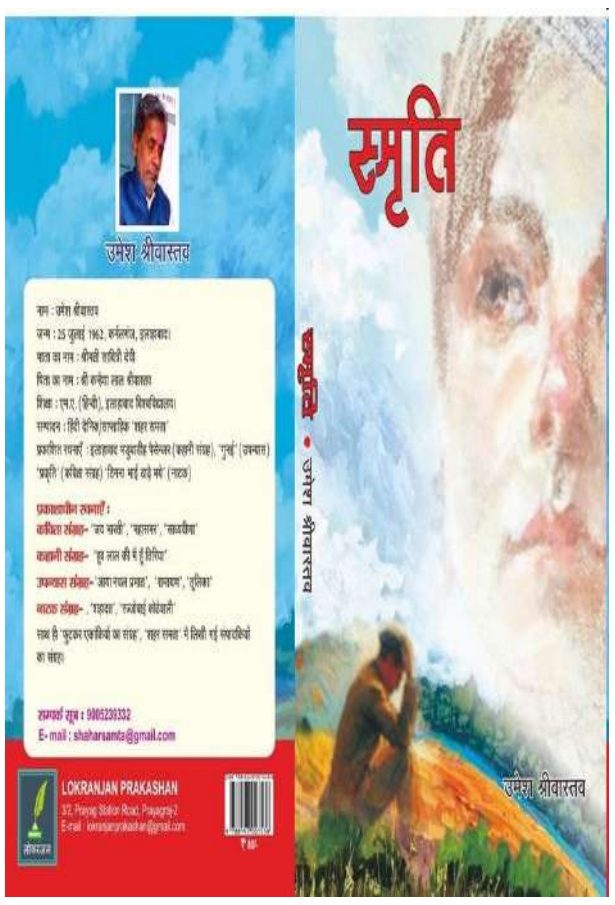

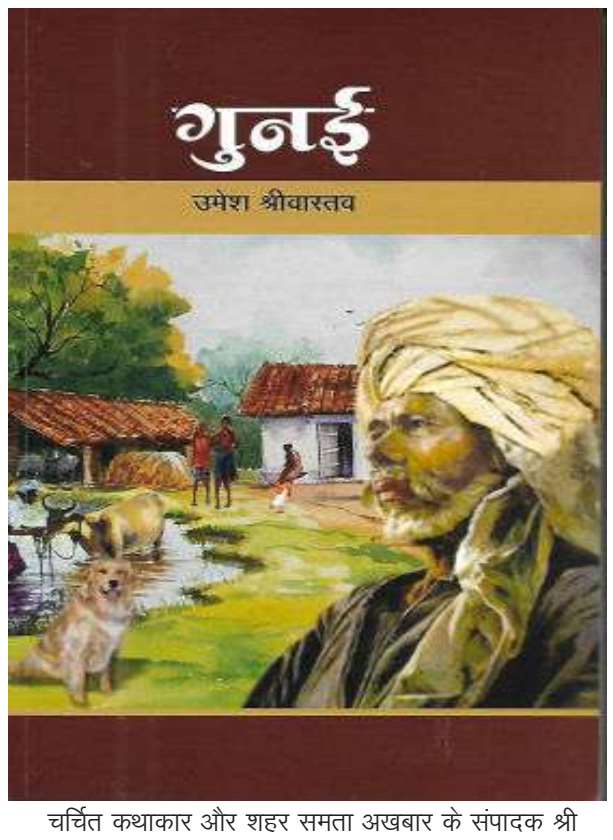

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

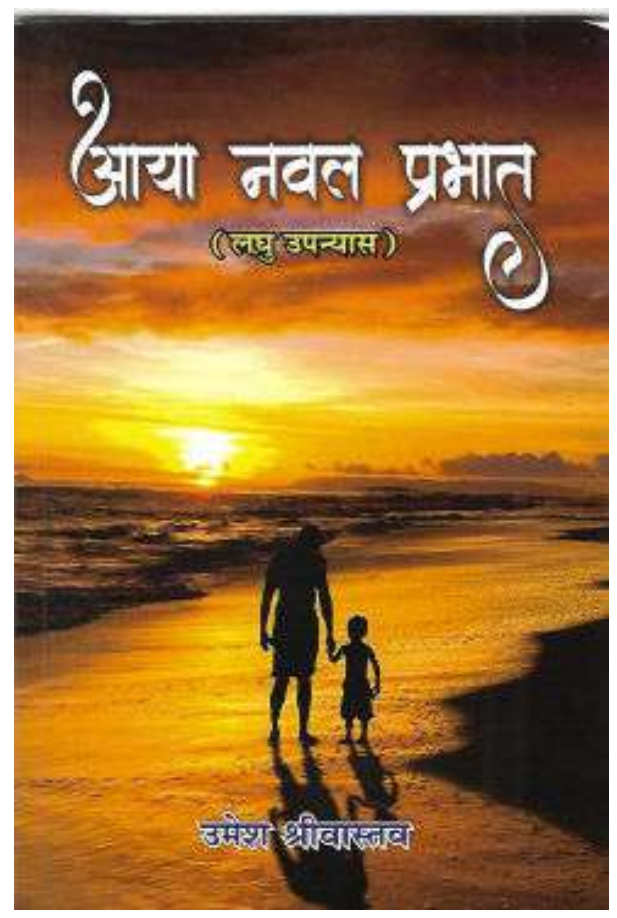

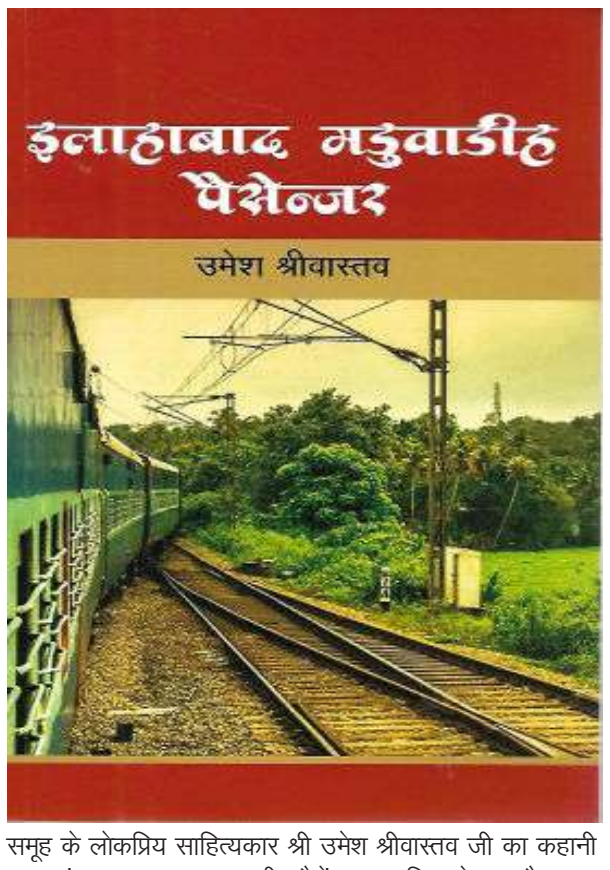

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

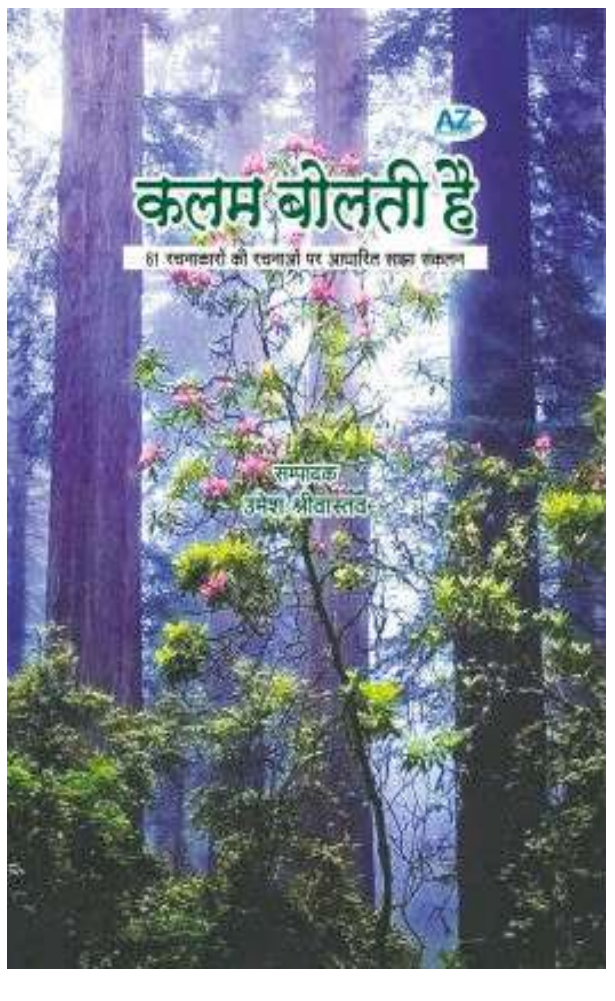

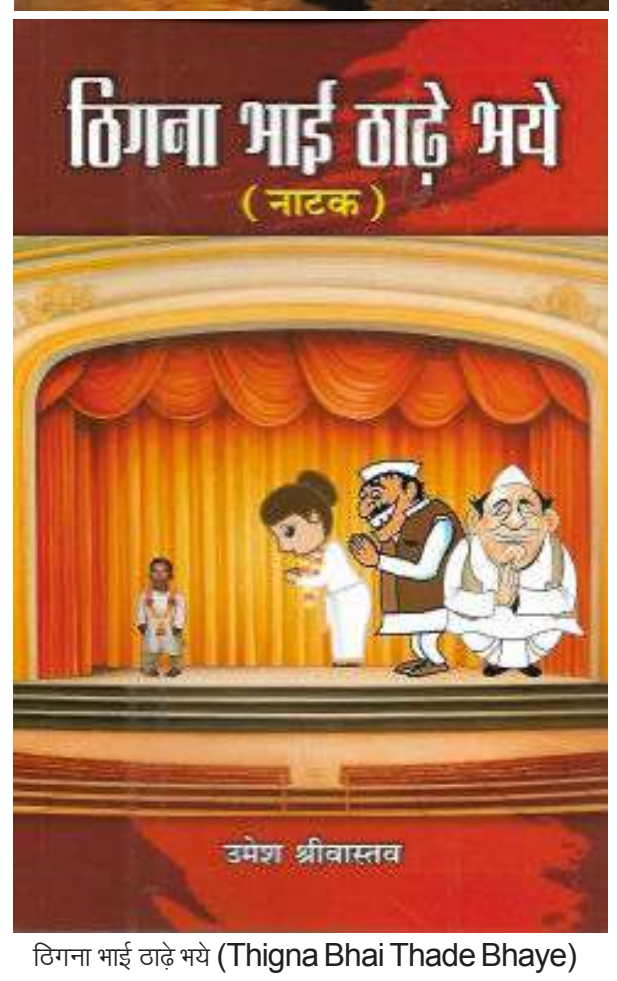

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

इज़राइल सेना प्रमुख का बड़ा एक्शन, 7 अक्टूबर के हमास हमले की विफलता पर उच्चाधिकारियों पर गिरी गाज

इज़राइल के सैन्य प्रमुख ने कई वरिष्ठ सैन्य कर्मियों को बर्खास्त कर दिया और 7 अक्टूबर, 2023 को गाजा से दक्षिणी इज़राइल पर हमास द्वारा किए गए अचानक हमले में उनकी भूमिका के लिए अन्य को फटकार लगाई। सेना ने एक बयान में कहा कि कई अधिकारियों को बताया गया है कि उन्हें रिजर्व ड्यूटी से मुक्त कर दिया जाएगा और वे अब सेना में सेवा नहीं देंगे। अन्य को औपचारिक फटकार लगाई गई, जबकि एक को सूचित किया गया कि उनकी सेवा समाप्त कर दी जाएगी। एक अन्य ने इस्तीफा दे दिया। जिन लोगों को रिज़र्व ड्यूटी से मुक्त किए जाने की सूचना दी गई थी, उनमें ख़ुफ़िया निदेशालय, ऑपरेशन निदेशालय और गाज़ा के लिए ज़िम्मेदार दक्षिणी कमान के पूर्व प्रमुख शामिल थे। ये जनरल पहले ही सक्रिय सेवा से इस्तीफ़ा दे चुके थे, लेकिन रिज़र्व ड्यूटी पर बने रहे।

इजरायली सैन्य प्रमुख इयाल ज़मीर ने इजरायली रक्षा बलों का उल्लेख करते हुए कहा आईडीएफ 7 अक्टूबर को अपने प्राथमिक मिशन – इजरायल राज्य के नागरिकों की रक्षा करने में विफल रहा। यह एक गंभीर, ज़बरदस्त, व्यवस्थागत विफलता है, जो घटना की पूर्व संध्या पर और उसके दौरान लिए गए निर्णयों और आचरण से संबंधित है। उस दिन के सबक अनेक और महत्वपूर्ण हैं, और ये हमारे उस भविष्य के लिए दिशासूचक के रूप में काम करेंगे जिसकी ओर मैं आईडीएफ का नेतृत्व करने का इरादा रखता हूँ। नवीनतम अनुशासनात्मक कदम ऐसे समय में उठाए गए हैं जब इजरायली अधिकारियों पर हमले के लिए जिम्मेदार विफलताओं के लिए जवाबदेही को लेकर जनता का दबाव बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार ने 7 अक्टूबर के हमले की अभी तक राष्ट्रीय जाँच शुरू नहीं की है। शनिवार रात तेल अवीव में हज़ारों प्रदर्शनकारियों के साथ विपक्षी नेता भी शामिल हुए और राज्य जाँच आयोग की माँग की। इज़राइली आंकड़ों के अनुसार, 7 अक्टूबर को हमास और अन्य फ़िलिस्तीनी गुटों द्वारा किए गए हमले में इज़राइल में लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 250 लोगों को बंधक बना लिया गया। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इस हमले के बाद गाज़ा में इज़राइल का ज़मीनी और हवाई अभियान शुरू हो गया, जिसने इस क्षेत्र के बड़े हिस्से को तबाह कर दिया और 69,000 से ज़्यादा लोगों की जान ले ली।

रूस–यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की दिशा में प्रगति हो रही है : अधिकारी

अमेरिका और यूक्रेन के शीर्ष अधिकारियों ने रविवार को कहा कि रूस–यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की दिशा में प्रगति हो रही है। हालांकि उन्होंने इस बारे में बहुत कम जानकारी साझा की। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने जिनेवा में हुई वार्ता को ''बहुत उपयोगी'' बताया और कहा कि ''लंबे समय बाद'' यह सबसे सकारात्मक बातचीत थी। रुबियो ने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि हम कुछ कर सकेंगे।'' उन्होंने कहा कि चर्चा आगे भी जारी रहेगी और अंतिम प्रस्ताव रूस के सामने रखा जाएगा क्योंकि ''रूस की भी इसमें भूमिका होगी।'' अमेरिकी विदेश मंत्री ने यह भी संकेत दिया कि यूरोपीय सहयोगियों की जिम्मेदारियां अमेरिकी शांति योजना में अलग रूप से तय की जा सकती हैं। इस योजना को लेकर यूरोपीय देशों और यूक्रेन में चिंता है क्योंकि इसे रूस के प्रति अत्यधिक नरम माना जा रहा है। अमेरिकी सीनेटर के एक समूह ने कहा था कि यह प्रस्ताव रूस की ''इच्छा सूची'' जैसा है। हालांकि, अमेरिकी विदेश विभाग ने इसे गलत करार दिया। यूक्रेनी वार्ता दल के प्रमुख एंड्री यरमाक ने बातचीत को सार्थक बताया और कहा कि अगला दौर शीघ्र शुरू होगा। उन्होंने कहा कि अंतिम निर्णय दोनों देशों के राष्ट्रपति करेंगे। करीब चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका द्वारा तैयार किए गए 28 सूत्री प्रस्ताव ने यूक्रेन और अन्य देशों में चिंता पैदा कर दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि उनके देश को अपने संप्रभु अधिकारों के लिए खड़े होने और आवश्यक अमेरिकी समर्थन को बनाए रखने के बीच एक कठिन विकल्प का सामना करना पड़ सकता है।

नेपाल प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट पर सट्टा लगाने के आरोप में काठमांडू में आठ भारतीय गिरफ्तार

नेपाल पुलिस ने रविवार को काठमांडू में चल रहे नेपाल प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट पर कथित तौर पर सट्टा लगाने के आरोप में आठ भारतीयों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि भारतीय नागरिकों को त्रिभुवन विश्वविद्यालय स्टेडियम में खेले जा रहे नेपाल प्रीमियर लीग (एनपीएल) मैचों पर सट्टा लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपी आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं और उनकी उम्र 19 से 35 वर्ष के बीच है। उन्हें समाखुसी से पकड़ा गया, जहां उन्होंने एक मकान किराये पर लिया था। काठमांडू घाटी अपराध जांच कार्यालय के प्रवक्ता एवं पुलिस अधीक्षक काजी कुमार आचार्य ने कहा कि यह समूह 17 नवंबर से 13 दिसंबर तक चलने वाले टूर्नामेंट पर अनुमानित 500,000 नेपाली रुपये (लगभग 3,00,000 भारतीय रुपये) के अवैध सट्टेबाजी में संलिप्त था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

ट्रंप की नीतियों का असर, अमेरिका में प्रवासियों पर कार्रवाई तेज़, ICE की हिरासत में 65,000 से ज़्यादा

आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन ने रिकॉर्ड 65,000 प्रवासियों को हिरासत में रखा है, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। आंकड़ों में ये वृद्धि अमेरिका में बिना दस्तावेज़ वाले लोगों पर आक्रामक कार्रवाई के बीच हुई है, जहाँ प्ब्म ने ऐतिहासिक रूप से उच्च स्तर की गिरफ़्तारियों और निष्कासन की रिपोर्ट दी है। एजेंसी ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि आईसीई आव्रजन प्रवर्तन के रिकॉर्ड तोड़ रहा है और गिरफ़्तारियों, निर्वासन और हिरासत के नए रिकॉर्ड स्थापित कर रहा है। मौजूदा प्रशासन के पहले 100 दिनों के दौरान, अकेले ICE ने 65,000 से ज़्यादा आंतरिक गिरफ्तारियाँ करने का दावा किया है, जिनमें 2,200 से ज़्यादा लोग गिरोह गतिविधियों से जुड़े थे। ICE की एक प्रेस विज्ञप्ति में संकेत दिया गया है कि आने वाले हफ़्तों में बंदियों की संख्या और भी बढ़ सकती है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) के अधिकारियों ने इस बढ़ोतरी का बचाव करते हुए इसे आपराधिक अवैध विदेशियों को हटाने और जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा बताया है। लेकिन आलोचक इससे सहमत नहीं हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, आईसीई द्वारा हिरासत में लिए गए लोगों में से एक बड़े हिस्से का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। आव्रजन अधिवक्ता चेतावनी देते हैं कि बिना दोषसिद्धि वाले लोगों की सामूहिक हिरासत प्रवर्तन प्राथमिकताओं में एक खतरनाक बदलाव का संकेत है। सिरैक्यूज़ विश्वविद्यालय के शोधकर्ता ऑस्टिन कोचर ने द गार्जियन को बताया कि हम जानते हैं कि ये सुविधाएँ अत्यधिक भीड़भाड़ वाली हैं... इसका मतलब है कि लोग ज़मीन पर सो रहे हैं, उन्हें पर्याप्त भोजन नहीं मिल रहा होगा, और लगभग निश्चित रूप से उन्हें पर्याप्त चिकित्सा देखभाल नहीं मिल रही होगी। बढ़ती संख्या को समायोजित करने के लिए आईसीई की क्षमता में भी तेज़ी से विस्तार हुआ है, और एजेंसी कथित तौर पर अपने बिस्तरों की संख्या बढ़ाने के लिए सैन्य और नागरिक सहयोगियों के साथ काम कर रही है। डीएचएस के एक प्रवक्ता ने सीबीएस न्यूज़ को बताया कि एजेंसी ने ष्अधिक भीड़भाड़ से बचते हुए और ज़्यादा आवश्यक हिरासत स्थान प्राप्त करने के लिए लगन से काम किया है क्योंकि वह अपने निष्कासन प्रयासों को तेज़ कर रही है। कानूनी और मानवीय अधिवक्ताओं का तर्क है कि गिरफ़्तारियों की गति और पैमाने से उचित प्रक्रिया के उल्लंघन का ख़तरा है। आईसीई के बुनियादी ढाँचे पर दबाव पड़ सकता है और इसके केंद्रों की स्थितियों पर गंभीर सवाल उठ सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एआई का दुरुपयोग रोकने के लिए वैश्विक समझौते का आह्वान किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का दुरुपयोग रोकने के लिए एक वैश्विक समझौते का रविवार को आह्वान किया। उन्होंने महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को वित्त–केंद्रित के बजाय मानव–केंद्रित बनाने पर भी जोर दिया। जोहानिसबर्ग में जी20 शिखर सम्मेलन के तीसरे सत्र को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग "राष्ट्रीय" के बजाय "वैश्विक" होने चाहिए तथा इन्हें "विशिष्ट मॉडल" के बजाय "ओपन सोर्स" पद्धति पर आधारित होना चाहिए। "ओपन सोर्स" पद्धति से तात्पर्य सभी के लिए मुफ्त में उलब्ध होने से है। मोदी ने कहा कि इस दृष्टिकोण को भारत के प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत किया गया है और इसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण लाभ हासिल हुए हैं, फिर चाहे वह अंतरिक्ष अनुप्रयोग हों या फिर एआई या डिजिटल भुगतान, जहां भारत दुनिया में अग्रणी है। जी20 शिखर सम्मेलन का तीसरा सत्र "सभी के लिए एक निष्पक्ष और न्यायपूर्ण भविष्य–महत्वपूर्ण खनिज; सभ्य कार्य; कृत्रिम बुद्धिमत्ता" विषय पर आधारित था। प्रधानमंत्री ने कहा, "हम सभी को यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई का इस्तेमाल वैश्विक भलाई के लिए हो और इसका दुरुपयोग रोका जाए। ऐसा करने के लिए, हमें कुछ मूल सिद्धांतों पर आधारित एआई पर एक वैश्विक समझौते की आवश्यकता होगी, जिसमें प्रभावी मानवीय निगरानी, डिजाइन के जरिये सुरक्षा, पारदर्शिता और 'डीप फेक', अपराध तथा आतंकवादी गतिविधियों में एआई के इस्तेमाल पर सख्त प्रतिबंध शामिल हो।" उन्होंने कहा कि मानव जीवन, सुरक्षा या सार्वजनिक विश्वास को प्रभावित करने वाली एआई प्रणालियां जिम्मेदार एवं ऑडिट योग्य होनी चाहिए। मोदी ने कहा, "और सबसे जरूरी बात यह है कि एआई को मानव क्षमताओं को बढ़ावा देना चाहिए, लेकिन फैसले लेने की अंतिम जिम्मेदारी हमेशा इंसानों के पास ही रहनी चाहिए।" उन्होंने कहा कि एआई के इस युग में हमें अपने दृष्टिकोण को "आज की नौकरियों" से बदलकर तेजी से "कल की क्षमताओं" की ओर ले जाना चाहिए। मोदी ने कहा, "नवाचार को गति देने के लिए प्रतिभा गतिशीलता को बढ़ावा देना जरूरी है। हमने दिल्ली जी–20 में इस विषय पर प्रगति की। हमें उम्मीद है कि अगले कुछ वर्षों में जी–20 प्रतिभा गतिशीलता के लिए एक वैश्विक ढांचा विकसित करेगा।

पेशावर में पाकिस्तान पैरा मिलिट्री हेडक्वार्टर पर आत्मघाती हमला, 6 सुरक्षाकर्मियों सहित 10 मरे

पेशावर में फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (थ्ब) हेडक्वार्टर पर हुए आत्मघाती हमले में कम से कम तीन सुरक्षाकर्मी शहीद हुए, जिसमें दो धमाके और भारी गोलीबारी शामिल थी। हमले में तीन आतंकवादी भी मारे गए, जो हेडक्वार्टर में घुसने की कोशिश कर रहे थे, यह घटना पाकिस्तान में बढ़ती मिलिटेंसी को दर्शाती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोमवार सुबह पेशावर में फ्रंटियर कांस्टेबुलरी हेडक्वार्टर पर हुए एक जानलेवा सुसाइड अटैक में कम से कम तीन सिक्योरिटी वाले मारे गए और दो घायल हो गए। एक सुसाइड बॉम्बर ने फैसिलिटी के मेन गेट पर धमाका किया, जिसके बाद तीन टेररिस्ट भी मारे गए। सिक्योरिटी फोर्स ने तुरंत बाकी हमलावरों से मुकाबला किया, जिससे वे बिल्डिंग में घुस नहीं पाए। अज्ञात बंदूकधारियों और सुसाइड बॉम्बर्स ने सुबह करीब 8 बजे सद्दार इलाके में मौजूद थ्ब हेडक्वार्टर पर एक बड़ा मिलकर हमला किया। पेशावर ब्ब्ब मियां सईद ने कहा कि हमला दो ज़ोरदार धमाकों के साथ शुरू हुआ, जिसके बाद तेज़ गोलीबारी हुई। धमाके इतने ज़ोरदार थे कि आस–पास की बिल्डिंग्स की खिड़कियां टूट गईं। पुलिस, थ्ब टीमें और मदद के लिए पहुंचीं, सद्दार रोड को सील कर दिया और गोलीबारी जारी रही। खैबर पख्तूनख्वा पुलिस के इंस्पेक्टर जनरल जुल्फिकार हमीद ने कन्फर्म किया कि सुसाइड बॉम्बर ने हाई–सिक्योरिटी वाली जगह पर हमला करने की कोशिश में धमाके किए। पूरे शहर में इमरजेंसी रिस्पॉन्स यूनिट्स तैनात की गईं, और इलाके को तुरंत घेर लिया गया। लोगों ने कई धमाके और भारी फायरिंग सुनने की बात कही, ऑनलाइन वीडियो सर्कुलेट हो रहे हैं जिनमें सदर इलाके में दहशत दिख रही है। पुलिस ने बाद में हमले के दौरान कम से कम दो धमाके होने की कन्फर्म की।

क्लियरेशन ऑपरेशन चल रहा है, घायलों को हॉस्पिटल ले जाया गया

घायल सिक्योरिटी वालों को लेडी रीडिंग हॉस्पिटल (स्त्भ्) में शिफ्ट किया गया। बड़े पैमाने पर क्लीयरेंस ऑपरेशन चल रहा है, जिसमें अधिकारी और खतरों के लिए इलाके की जांच कर रहे हैं। FC हेडक्वार्टर के आसपास की सड़कें सील हैं। FC, जिसे पहले फ्रंटियर कांस्टेबुलरी के नाम से जाना जाता था, जुलाई में इसका नाम बदलने से पहले, एक मिलिट्री कैंटोनमेंट के पास घनी आबादी वाले इलाके में काम करता है कृ जिससे यह मिलिटेंट एलिमेंट्स के लिए एक सेंसिटिव टारगेट बन जाता है। यह हमला पाकिस्तान में मिलिटेंसी की बढ़ती लहर को दिखाता है। पेशावर हमला ऐसे समय में हुआ है जब पूरे पाकिस्तान में मिलिटेंसी हिंसा तेज़ी से बढ़ रही है खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में।

अकेले इस साल :

मिलिटेंसी हमलों में 430 से ज़्यादा लोग मारे गए हैं, जिनमें ज़्यादातर सिक्योरिटी वाले थे। बलूचिस्तान में इंसर्जेंसी से जुड़ी हिंसा की वजह से 782 मौतें हुई हैं। बड़ी घटनाओं में क्वेटा FC हेडक्वार्टर कार बम, 3 सितंबर की पॉलिटिकल रैली में सुसाइड ब्लास्ट और मार्च में ठत्र। ट्रेन हाईजैकिंग शामिल हैं।

सिक्योरिटी एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं

अधिकारी CCTV फुटेज को एनालाइज़ कर रहे हैं और ग्राउंड टीमों से और अपडेट का इंतज़ार कर रहे हैं। यह हमला पाकिस्तान के सिक्योरिटी ठिकानों पर लगातार खतरों और आतंकवाद विरोधी उपायों को बढ़ाने की तुरंत ज़रूरत को दिखाता है।

पाकिस्तान में हुआ ऐसा फिदाइन हमला, दहल गया पेशावर का पूरा सेना मुख्यालय

पेशावर स्थित फेडरल कांस्टेबुलरी (एफसी) के मुख्यालय पर सोमवार को हमला हुआ। पेशावर कैपिटल सिटी के पुलिस अधिकारी मियां सईद अहमद ने घटना की पुष्टि करते हुए डॉन को बताया, एफसी मुख्यालय पर हमला हुआ है। हम जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं और इलाके की घेराबंदी की जा रही है। इस रिपोर्ट के अनुसार, विस्फोट और गोलीबारी की शुरुआती खबरों के बाद सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत इलाके को सुरक्षित करने के लिए कदम उठाए। सुरक्षा सूत्रों के हवाले से, डॉन ने बताया कि एक आत्मघाती हमलावर ने एफसी मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर विस्फोट किया, जिसके बाद इलाके से भारी गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं। यह प्रतिष्ठान एक सैन्य छावनी के पास घनी आबादी वाले इलाके में स्थित है, जिससे कार्रवाई की तात्कालिकता और भी बढ़ गई है। फेडरल कांस्टेबुलरी, जिसे पहले फ्रंटियर कांस्टेबुलरी के नाम से जाना जाता था, जुलाई में सरकार द्वारा इसका नाम बदलने से पहले, पाकिस्तान में बढ़ती आतंकवादी गतिविधियों के कारण सुर्खियों में रही है। डॉन ने बताया कि प्रतिबंधित तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान द्वारा नवंबर 2022 में सरकार के साथ संघर्ष विराम समाप्त करने और सुरक्षा बलों व कानून प्रवर्तन एजेंसियों को निशाना बनाने की कसम खाने के बाद यह वृद्धि और तेज़ हो गई। यह ताज़ा हमला ऐसे समय में हुआ है जब पाकिस्तान में कई घातक हमले हुए हैं। इस साल की शुरुआत में क्वेटा में अर्धसैनिक बल मुख्यालय के बाहर एक शक्तिशाली कार बम विस्फोट में कम से कम दस लोगों की जान चली गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। यह घटना बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच हुई। 3 सितंबर को, क्वेटा में एक राजनीतिक रैली में हुए एक आत्मघाती विस्फोट में 11 लोग मारे गए और 40 से ज़्यादा घायल हो गए। यह विस्फोट एक स्टेडियम की पार्किंग में हुआ, जहाँ सैकड़ों बलूचिस्तान नेशनल पार्टी के समर्थक इकट्ठा हुए थे। पाकिस्तानी सेना बलूचिस्तान में लंबे समय से चल रहे विद्रोह का सामना कर रही है, जिसके कारण 2024 में 782 लोगों की मौत हो चुकी है। मार्च में बलूच लिबरेशन आर्मी ने एक ट्रेन पर कब्ज़ा कर लिया और ड्यूटी पर नहीं मौजूद सैनिकों को मार डाला, जिससे चुनौती की गंभीरता का पता चलता है। जनवरी से अब तक, कई हमलों में 430 से ज़्यादा लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें ज़्यादातर सुरक्षा बल के सदस्य हैं, जिनमें बन्नू में छह सैनिक भी शामिल हैं।

दुश्मन पनडुब्बियों का काल बनेगा ये युद्धपोत, भारतीय नौसेना में शामिल हुआ आईएनएस–माहे

माहे–श्रेणी के पहले पनडुब्बी रोधी युद्धक उथले जलयान (ASW&SWC) INS माहे को सोमवार को मुंबई स्थित नौसेना गोदी में थल सेनाध्यक्ष (COAS) उपेंद्र द्विवेदी ने भारतीय नौसेना में शामिल किया। कमीशनिंग के अवसर पर, ब्ो जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा सबसे पहले, माहे के कमांडिंग ऑफिसर, अधिकारियों, जवानों और इस समारोह में शामिल सभी लोगों को इतनी अच्छी व्यवस्था और उत्कृष्ट समारोह के लिए बधाई। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे आठ पनडुब्बी रोधी युद्धक उथले जलयानों में से पहले आईएनएस माहे के कमीशनिंग समारोह में उपस्थित होना अत्यंत गर्व और सम्मान

की अनुभूति का क्षण है। आज का समारोह न केवल समुद्री युद्ध व्यवस्था में एक शक्तिशाली नए प्लेटफॉर्म के शामिल होने का प्रतीक है, बल्कि स्वदेशी तकनीक से जटिल लड़ाकू जहाजों को डिजाइन करने, निर्माण करने और तैनात करने की हमारे देश की बढ़ती क्षमता की भी पुष्टि करता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत की समुद्री विरासत के प्रतीक, ऐतिहासिक तटीय शहर माहे के नाम पर रखा गया यह जहाज नवाचार और सेवा की भावना का प्रतीक है। इस नौसेना के जलावतरण से भारतीय नौसेना की समुद्री प्रभुत्व सुनिश्चित करने, तटीय सुरक्षा तंत्र को मज़बूत करने और हमारे विशाल तटीय क्षेत्रों में हमारे समुद्री हितों की रक्षा करने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। आईएनएस माहे का जलावतरण नौसेना के एक निर्माणकर्ता नौसेना के रूप में निरंतर परिवर्तन की पुष्टि करता है, जो अपने लड़ाकू प्लेटफार्मों का डिज़ाइन, निर्माण और रखरखाव स्वयं करती है। आज, नौसेना के पूंजीगत अधिग्रहण के 75 प्रतिशत से अधिक प्लेटफार्म स्वदेशी हैं। युद्धपोतों और पनडुब्बियों से लेकर उच्च सोनार और हथियार प्रणालियों तक, भारतीय शिपयार्ड, सार्वजनिक और निजी, हमारे देश के औद्योगिक और तकनीकी प्रभुत्व के जीवंत प्रमाण हैं। आईएनएस माहे का जलावतरण स्वदेशी उथले पानी के लड़ाकू जहाजों की एक नई पीढ़ी के आगमन का प्रतीक है – जो चिकने, तेज़ और पूरी तरह से भारतीय हैं। 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ, माहे–श्रेणी युद्धपोत डिजाइन, निर्माण और एकीकरण में भारत की बढ़ती महारत को प्रदर्शित करती है। यह पश्चिमी समुद्र तट पर एक श्साइलेंट हंटरश के रूप में काम करेगी – आत्मनिर्भरता से प्रेरित और भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा के लिए समर्पित। थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भारतीय नौसेना में आईएनएस माहे के जलावतरण के बाद उसका निर्देशित दौरा किया। रक्षा मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ, वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन द्वारा आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने की।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।